अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 276 लखनऊ, शनिवार, 25 अप्रैल 2026 पृष्ठ : 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

अभि-नील हत्याकांड के 20 दोषियों को उम्रकैद की सजा

नगांव (असम)। बहुचर्चित अभि-नील हत्याकांड में नगांव जिला एवं सत्र न्यायालय ने शुक्रवार को 20 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 20 हजार का जुर्माना भी लगाया। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद अदालत ने सजा का यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। इससे पहले, 20 अप्रैल को इसी अदालत ने सभी 20 आरोपितों को दोषी करार दिया था। यह फैसला उस मामले में आया है जिसने पूरे राज्य में व्यापक जन प्रतिक्रिया उत्पन्न की थी। सजा सुनाए जाने के बाद पीड़ित परिवारों ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वे अदालत के इस फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि, 8 जून, 2018 को कार्बी आंगलोंग के डोकमका में प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने गए युवा संगीतकार निलोत्पल दास और अभिजीत नाथ को कुछ उन्मादी लोगों के हमले का शिकार हो गए थे। अपनी जान बचाने के लिए दोनों गुहार लगाते रहे बावजूद इसके हमलावरों ने उन्हें नहीं छोड़ा।

केंद्र सरकार ने शिक्षा के लिए जारी किए 7,981 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में 75 लाख से अधिक वंचित छात्रों की शिक्षा और सशक्तिकरण के लिए 7,981.47 करोड़ रुपये वितरित किए हैं। यह राशि मुख्य रूप से अनुसूचित जाति (एससी) के वंचित छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जारी की गई है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार, इस वित्तीय सहायता के तहत विभिन्न प्रमुख छात्रवृत्ति योजनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। मंत्रालय का कहना है कि सरकार का लक्ष्य आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों को शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है।

उत्तर प्रदेश में कृषि के लिए अनुकूल वातावरण : योगी

भिन्न-भिन्न एग्रो-क्लाइमेटिक जोन के अनुरूप बनें नीतियां : सीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- लखनऊ में क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन (उत्तर क्षेत्र) के शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लखनऊ में क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन (उत्तर क्षेत्र) के शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। यह बदलाव वैज्ञानिक तकनीकों, एग्रो-क्लाइमेटिक जोन आधारित रणनीति तथा केंद्र-राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। यूपी में ‘लैब टू लैंड’ की अवधारणा धरातल पर उतर चुकी है, जिससे किसानों को सीधे लाभ मिल रहा है।

होटल सेंट्रम में आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कृषि विकास दर में उल्लेखनीय वृद्धि, प्रति हेक्टेयर उत्पादन में रिकॉर्ड सुधार, बहुफसली खेती का विस्तार और वैल्यू एडिशन पर बढ़ता फोकस इस परिवर्तन के स्पष्ट संकेत हैं। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय कृषि सम्मेलनों, अंतरराष्ट्रीय कृषि केंद्रों की स्थापना, कृषि विज्ञान केंद्रों के सशक्तीकरण और प्रगतिशील किसानों की भूमिका को इस बदलाव का प्रमुख आधार बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश की कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने की क्षमता रखता है।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि अलग-अलग देशों और क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न एग्रो-क्लाइमेटिक जोन होने के कारण नीतियां भी उसी अनुरूप तय की जानी चाहिए। यदि अलग-अलग जोन में इस प्रकार की गोष्ठियां आयोजित की जाएं तो उसके सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। मुख्यमंत्री ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि गत वर्ष ‘विकसित कृषि अभियान’ और ‘खेती की बात, खेत में’ कार्यक्रम के दौरान उन्हें कई जनपदों में जाने का अवसर मिला, जहां

किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और कृषि शिक्षा से जुड़े प्रशिक्षुओं में अभूतपूर्व उत्साह व जिज्ञासा देखने को मिली। पहली बार इनोवेशन को सीधे व्यावहारिक धरातल पर उतारने का अवसर मिला है। पहले लैब में होने वाले अनुसंधान को लैंड तक पहुंचने में काफी समय लगता था लेकिन अब ‘लैब टू लैंड’ की अवधारणा साकार हो चुकी है और तकनीक सीधे खेत तक पहुंच रही है। इस अभिनव पहल के लिए मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने इस अवधारणा को व्यवहारिक रूप से देशभर में लागू करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 की स्थिति का जिक्र करते हुए बताया कि उस समय प्रदेश में मात्र 69 कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) थे, जो लगभग निष्क्रिय अवस्था में थे और उनके वैज्ञानिक भी अन्य संस्थानों में अटैच थे। इसके बाद केंद्र सरकार द्वारा 20 नए केवीके की पहल के साथ-साथ मौजूदा केंद्रों को सशक्त बनाने की कार्ययोजना पर काम हुआ। आज स्थिति यह है कि सभी केवीके सक्रिय होकर नवाचारों को बढ़ावा दे रहे हैं और प्रदेश के सभी नौ एग्रो-क्लाइमेटिक जोन में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से कृषि विकास को नई दिशा दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ये वैज्ञानिक स्थानीय स्तर पर डेमोस्ट्रेशन करते हैं और फिर किसानों के खेत में जाकर उसे लागू करते हैं, लगातार दौरे करते हैं, निरंतर गोष्ठियां चलती हैं और विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। साथ ही भारत सरकार के साथ उनका सतत संवाद बना रहता है। इसी का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश की कृषि विकास दर आठ से बढ़कर लगभग 18 प्रतिशत तक पहुंच गई है। परिणाम बताते हैं कि हम इससे भी बेहतर उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा मानना है कि आजादी के समय भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान लगभग 41-42 प्रतिशत था। समय के साथ इसका योगदान घटता गया। यदि कृषि व मैन्युफैक्चरिंग के बीच बेहतर समन्वय हो, तो विकास की गति और तेज हो सकती है। वर्तमान में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान अब भी लगभग 15ऽ16 प्रतिशत के आसपास है, जबकि कृषि का हिस्सा घटकर लगभग 20ऽ21 प्रतिशत तक सीमित रह गया। अब आवश्यकता है कि कृषि को वैल्यू एडिशन के साथ जोड़ा जाए। इसके लिए नए प्रयासों को और अधिक मजबूती से आगे बढ़ाने तथा प्रभावी ढंग से विस्तार देने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक आज के दौर में अत्यंत निर्णायक भूमिका निभा सकती है। उन्होंने भारत सरकार और प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश में विभिन्न उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय केंद्र स्थापित करवाए हैं। उदाहरण के तौर पर, वाराणसी में इंटरनेशनल राइस इंस्टीट्यूट की स्थापना हुई है, जो बेहतरीन परिणाम दे रहा है। यहां से नई-नई किस्में विकसित की गई हैं।

कृषि का रोडमैप बनाकर कार्य करें प्रत्येक राज्य : शिवराज सिंह चौहान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को सेन्ट्रम होटल में आयोजित क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का दीप जलाकर शुभारम्भ किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि लक्ष्य की पूर्ति के लिए प्रत्येक राज्य कृषि का रोडमैप बनाकर कार्य करें। इसके अलावा नकली खाद व नकली पेस्टीसाइज के खिलाफ प्रभावी अभियान लेकर राज्य कठोर कार्रवायी कराएं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश में खाद्यान्न उत्पादन में नंबर एक है। यहाँ की मिट्टी, यहाँ की जलवायु, यहाँ के मेहनती किसान उसके साथ हिमाचल, उत्तराखण्ड, जम्मू काश्मीर, वहां के फल, फूल, सब्जियां विशेष हैं। केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर की स्थापना करने का निर्णय भारत सरकार ने लिया है।

राघव चड्ढा का आम आदमी पार्टी से इस्तीफा, भाजपा में विलय की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) में शुक्रवार को बड़ी फूट सामने आई है। राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा समेत आआपा के 07 सांसदों यानी दो तिहाई ने पार्टी छोड़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय करने की घोषणा की है।

दिल्ली के कॉन्स्टीच्यूशन क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में राज्यसभा सदस्य राघव चड्डा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने पार्टी छोड़ने की घोषणा के साथ भाजपा में विलय करने की घोषणा की। राघव चड्डा ने दावा किया कि राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सदस्य हैं, जिनमें से दो-तिहाई से ज़्यादा सदस्यों ने सहमति पत्र

पर हस्ताक्षर किए। आज सुबह इन सभी 7 सदस्यों के हस्ताक्षरित पत्र और दस्तावेज राज्यसभा सभापति को सौंपे गए हैं।उनमें से तीन आपके सामने यहां मौजूद हैं। इनके अलावा हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल भी हैं। चड्ढा ने कहा ‘आप कई सालों से मुझसे पूछते रहे कि मैं आम आदमी पार्टी की गतिविधियों में हिस्सा क्यों नहीं ले रहा था और उससे दूर क्यों दिख रहा था। उस समय मैंने कुछ नहीं कहा और हालात बेहतर होने का इंतज़ार करता रहा। लेकिन आज मैं इसकी असली वजह बताना चाहता हूँ, मैं उनके ‘गुनाहों’ में शामिल नहीं होना चाहता था। मैं उनकी दोस्ती के लायक नहीं था क्योंकि मैं उनके गलत कामों में भागीदार नहीं बना। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि जिस पार्टी को उन्होंने खून-पसीने से सींचा, वह अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है।

दमदम और जादवपुर में प्रधानमंत्री ने कहा -

पहले चरण के मतदान ने बंगाल में मजबूत किया बदलाव

- भाजपा की सरकार बनने के बाद हर पुरानी फाइल खुलेगी : प्रधानमंत्री

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दमदम और जादवपुर में दो जनसभाओं को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि पहले चरण के मतदान ने राज्य में परिवर्तन की लहर पर मुहर लगा दी है और भाजपा के पक्ष में स्पष्ट जनसमर्थन दिखाई दे रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लंबे समय से बंगाल में बदलाव की जो लहर दिख रही थी, पहले चरण के मतदान ने उसे मजबूत कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पक्ष में जो समर्थन सामने आया है, उसने विजय का शंखनाद कर दिया है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस बंगाल में लोकतंत्र के मंदिर को कुचलने का प्रयास किया गया, उसी बंगाल की जनता ने मतदान के जरिए लोकतंत्र का पुनर्निर्माण किया है। उन्होंने मतदाताओं से दूसरे चरण में इस जनादेश को और मजबूत करने की अपील की। दमदम की सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने महिला सुरक्षा को प्रमुख मुद्दा बनाते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस महिला विरोधी पार्टी है, जबकि भाजपा महिला नेतृत्व वाले विकास मॉडल पर काम करती है। उन्होंने कहा कि बंगाल की हर बेटी को भरोसा दिलाने आए हैं कि भाजपा उनके सपनों को टूटने नहीं देगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद महिलाओं को सशक्त बनाने, रोजगार देने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनेक योजनाएं लागू की जाएंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं के खिलाफ अन्याय के पुराने मामलों को दोबारा खोला जाएगा और दोषियों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के बंगाल की नई गाथा नारी शक्ति लिखेगी और राज्य की महिलाएं अब बदलाव चाहती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं है, जिसके कारण गरीब और मध्यम वर्ग के लोग मुफ्त इलाज की सुविधा से वंचित हैं।

हमारी न्यायपालिका दबाव में तो है!

- हाईकोर्ट के एक जस्टिस ने मैदान छोड़ा तो दूसरे जस्टिस अभी भी मैदान में डटे
- लखनऊ बेंच के जस्टिस ने राहुल गांधी के मामले से खुद को किया अलग
- दिल्ली हाईकोर्ट की जज ने केजरीवाल की सुनवाई करते रहने का लिया फैसला

अभयानंद शुक्ल

लखनऊ। बीते 20 अप्रैल का दिन भारत की ज्यूडिशरी के लिए यादगार बन गया। इस दिन एक घटना लखनऊ में हुई और दूसरी दिल्ली में, पर दोनों ही मामलों में समानता है। एक ओर जहां इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने राहुल गांधी से जुड़े नागरिकता संबंधी मामले की आगे की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है, वहीं दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता ने अरविंद केजरीवाल की मांग के बावजूद उनके खिलाफ शराब घोटाले से जुड़े मामले की सुनवाई जारी रखने का फैसला लिया है। दोनों मामले राजनीतिक लोगों से जुड़े हैं, लेकिन एक में जज ने दबाव के सामने हथियार डाल दिए जबकि दूसरे मामले में जज ने मांग के बावजूद हथियार डालने से इनकार कर दिया। दोनों ही मामले हाईकोर्ट और नेताओं से जुड़े हैं, इस कारण दोनों की एक साथ चर्चा जरूरी है। दोनों मामले इस बात का परिचायक हैं कि हमारी ज्यूडिशरी भी दबाव में काम करती है। ऐसे में अगर किसी जज का मॉरल कमजोर है, तो वह दबाव में आ जाता है।

दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता ने साफ-साफ कहा है कि वे अरविंद केजरीवाल के शराब घोटाला संबंधी मामले से पीछे नहीं हटेंगी। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी जिम्मेदारी पता है, और अगर मैं जज हूं तो मेरी आलोचना भी होगी। फिर भी मैं अपने कर्तव्यों से पीछे नहीं हटूंगी, मैं सरेंडर नहीं करूंगी। दरअसल अरविंद केजरीवाल ने याचिका देकर मांग की थी कि उन्हें जस्टिस स्वर्णकांता से न्याय की उम्मीद नहीं है। इसलिए इस केस की सुनवाई से उनको खुद को अलग कर लेना चाहिए। पर जस्टिस स्वर्णकांता ने उनकी अपील खारिज करते हुए कहा कि मुझे मालूम है कि मैं एक जज हूं और मेरी क्या जिम्मेदारी है। किसी आलोचना पर क्या करना है, मुझे पता है। चूंकि मेरी निष्ठा-गरिमा पर सवाल उठाए गए हैं, इसलिए अब मैं इस मामले से पीछे नहीं हटूंगी।

उधर उसी दिन इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता वाले मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। दरअसल इस मामले की बीते 17 अप्रैल को हुई सुनवाई में जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और मामले की किसी केंद्रीय एजेंसी से जांच करने की सिफारिश की थी। सूत्र बताते हैं कि फैसला लिखवाते समय अचानक उनका हृदय परिवर्तन हुआ और उन्होंने अपना कोर्ट रूम में दिया फैसला खुद ही वापस ले लिया, और आदेश लिखवाते समय फैसला अंतिम समय में बदल दिया। अपने लिखित फैसले में उन्होंने राहुल गांधी को नोटिस जारी कर दिया और मामले की सुनवाई 20 अप्रैल नियत कर दी। फिर 20 अप्रैल की सुनवाई के बाद उन्होंने खुद को इस मामले की सुनवाई से अलग करने का फैसला ले लिया। अपने बदले फैसले को जस्टिफाई करने के लिए जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने कहा कि शुक्रवार (17 अप्रैल) की सुनवाई में याचिकाकर्ता समेत केंद्र और राज्य सरकार के वकीलों से पूछा गया था कि क्या राहुल गांधी को नोटिस जारी करने की जरूरत है? वकीलों ने नोटिस जारी करने की कोई जरूरत नहीं बताई थी, पर बाद में मुझे लगा कि ये गलत हो जाएगा।

फैसला बदलने पर याची एस विग्नेश शिशिर ने इस मामले की सीजेआई से शिकायत करने की बात कही थी। उसके बाद सियासी हलकों में इस बात की चर्चा होने लगी कि जज पर कोई दबाव आ गया है, इसलिए उन्होंने अपना फैसला बदल दिया। जबकि जानकारी मिली है कि याची द्वारा सोशल मीडिया पोस्ट डालने को लेकर जज ने कड़ी नाराजगी जताई और कहा कि उनकी निष्पक्षता पर शक किया गया है। इसके बाद जस्टिस ने महसूस किया कि जब याची का उन पर से भरोसा उठ गया है, और उन पर लांछन लग रहे हैं, तो ऐसे में मामले की आगे सुनवाई करना उचित नहीं है।

ज्ञानेश कुमार को सीईसी के पद से हटाने के लिए विपक्ष ने फिर दिया नोटिस

नई दिल्ली। विपक्ष के 73 सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए राष्ट्रपति को सिफारिश करने का प्रस्ताव राज्यसभा में लाने के लिए नोटिस दिया है। राज्यसभा के महासचिव को प्रस्ताव का नोटिस दिया गया है जिसमें ज्ञानेश कुमार पर कदाचार के आरोप लगाए गए हैं।कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को एक्स पर कहा कि 15 मार्च 2026 के बाद की घटनाओं और निर्णयों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। प्रस्ताव संविधान के अनुच्छेद 324(5) और अनुच्छेद 124(4) के प्रावधानों के साथ-साथ चुनाव आयुक्त तथा न्यायाधीशों से जुड़े कानूनों के तहत लाया गया है।

केंद्र ने ‘लॉरेंस ऑफ पंजाब’ डॉक्यूमेंट्री की रिलीज पर लगाई रोक

एजेंसी

चंडीगढ़। राज्य के सामाजिक ताने-बाने को बनाए रखने और सही एवं जिम्मेदार कंटेंट के प्रसारण को सुनिश्चित करने की दिशा में सक्रिय कदम उठाते हुए भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने ज़ी5 ओटीटी प्लेटफॉर्म को एक एडवाइजरी जारी कर ‘लॉरेंस ऑफ पंजाब’ शीर्षक वाली डॉक्यूमेंट्री रिलीज न करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी शुक्रवार को पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने दी। उन्होंने बताया कि विशेष डीजीपी (साइबर क्राइम) वी. नीरजा ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के समक्ष सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 69ए(1) के तहत कंटेंट की स्क्रीनिंग पर रोक लगाने का आग्रह किया था। इसमें जन व्यवस्था पर इसके प्रभाव को लेकर गंभीर चिंताओं का हवाला दिया गया था।डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि इस डॉक्यूमेंट्री में शामिल नाटकीय चित्रण, वास्तविक जीवन फुटेज और विशिष्ट विवरण संगठित अपराध तथा खतरनाक अपराधियों को महिमामंडित करने का बड़ा जोखिम पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे चित्रण युवाओं को गुमराह कर सकते हैं और राज्य में कठिन प्रयासों से कायम की गई शांति तथा कानून-व्यवस्था को भंग कर सकते हैं। इन रिपोर्टों पर तेजी से कार्रवाई करते हुए पंजाब पुलिस ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से संपर्क किया, जो भारत में ओटीटी सामग्री के लिए नामित नोडल एजेंसी है। डीजीपी ने कहा कि पूरी सामग्री की गहन जांच के बाद मंत्रालय ने मामले पर सहमति जताते हुए ज़ी5 को एडवाइजरी जारी कर अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर यह कंटेंट जारी न करने के निर्देश दिए हैं।

एक किलोवाट तक के उपभोक्ताओं का 30 दिन तक नहीं कटेगा कनेक्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार लगातार बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने और उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए अहम कदम उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने विद्युत उपभोक्ताओं के हित में बड़ा निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि 1 किलोवाट तक के घरेलू विद्युत कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी गई है। अगर उनका बैलेंस नेगेटिव हो जाता है, तब भी 30 दिनों तक उनका बिजली कनेक्शन नहीं

काटा जाएगा। ऊर्जा मंत्री ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से लागू की गई है।

ऊर्जा मंत्री ने साफ किया कि नेगेटिव बैलेंस की स्थिति में भी एक माह का चक्र पूरा होने से पहले किसी

- 2 किलोवाट वाले उपभोक्ताओं को भी राहत- 200 रुपये तक माइनस बिल पर नहीं होगी कटौती

भी स्थिति में कनेक्शन विच्छेद नहीं किया जाएगा। साथ ही पारदर्शिता और उपभोक्ता सुविधा को ध्यान में रखते हुए कनेक्शन काटने से पूर्व उपभोक्ताओं को 5 अनिवार्य एसएमएस अलर्ट भेजे जाएंगे। जिससे उन्हें समय रहते भुगतान का अवसर मिल सकेगा। इसके साथ ही 02 किलोवाट के कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को भी राहत प्रदान की गई है। ऐसे उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन 200 रुपये तक के माइनस बैलेंस पर नहीं काटा जाएगा। इनके लिए भी 05 चरणों में एसएमएस सूचना प्रणाली लागू की गई है, जिससे किसी भी असुविधा से बचा जा सके। वहीं बढ़ती गर्मी को देखते हुए ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने सभी जिलों के अधिकारियों को विद्युत अनुरक्षण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विद्युत आपूर्ति को सुदृढ़ करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किए गए हैं।

योगी सरकार ने बुजुर्गों को दिया सुरक्षा कवच

- हर जिले में वृद्धाश्रमों से बेघर और असहाय बुजुर्गों को मिल रहा सहारा
- प्रदेश के सभी जिलों में संचालित वृद्धाश्रमों में बेघर और निराश्रित बुजुर्गों को मिला सुरक्षित आश्रय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के बुजुर्गों को सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। सरकार द्वारा समाज कल्याण विभाग के माध्यम से प्रदेश के सभी 75 जिलों में वृद्धाश्रम संचालित किए जा रहे हैं, जहां बेघर, निराश्रित और असहाय बुजुर्गों को आश्रय, भोजन, चिकित्सा और देखभाल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रहीं हैं। इस व्यवस्था से वर्तमान समय में 6055 बुजुर्गों को सुरक्षा और सहारा मिल रहा है।

प्रदेश सरकार का उद्देश्य केवल आश्रय देना नहीं, बल्कि बुजुर्गों को सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना है। वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों के लिए सुबह नाश्ते से लेकर दोपहर और रात के भोजन तक पौष्टिक खानपान की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही साफ-सुथरे वस्त्र, स्वच्छ बिस्तर और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रहीं हैं। वहीं वृद्धाश्रमों में बुजुर्गों की चिकित्सा सुविधा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नियमित स्वास्थ्य जांच, आवश्यक दवाएं, डॉक्टरों की परामर्श सेवा और आपातकालीन स्थिति में तत्काल उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इससे उन बुजुर्गों को राहत मिली है, जो आर्थिक तंगी या पारिवारिक उपेक्षा के कारण इलाज नहीं करा पाते थे।

योगी सरकार में यूपी के सभी 75 जिलों में 150 क्षमता वाले वृद्धाश्रम संचालित हैं जहां नाश्ते में चाय, हलवा, चना, नमकीन दलिया, नमकीन पूड़ी, पोहा और मीठी दलिया दी जाती है। वहीं दिन के खाने में अरहर दाल, राजमा, मिक्स वेज, मौसमी सब्जी, कढ़ी, रोटी, सब्जी, चावल और सलाद निर्धारित दिनों के अनुसार दिया जाता है। इसी तरह रात्रि के भोजन में रसेदार सब्जी, तहड़ी, खिचड़ी, पूड़ी, रोटी, चावल और खीर दी जाती है।

योगी सरकार की इस बेहतर व्यवस्था से कई ऐसे बुजुर्गों को नया जीवन मिला है, जो पहले सड़कों, रेलवे स्टेशनों या सार्वजनिक स्थानों पर बेसहारा जीवन जीने को मजबूर थे। उन्हें सुरक्षित छत, समय पर भोजन और देखभाल मिल रही है। कई वृद्धाश्रमों में मनोरंजन, योग, भजन-कीर्तन और सामूहिक संवाद जैसी गतिविधियां भी कराई जाती हैं, जिससे बुजुर्ग मानसिक रूप से प्रसन्न और सक्रिय बने रहें।

समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वृद्धाश्रमों की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए समय-समय पर निरीक्षण, समीक्षा और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है। जहां जरूरत है, वहां अतिरिक्त सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं। इसके अलावा प्रतिमाह बुजुर्गों को 1 हजार रुपए वृद्धापेंशन और आयुष्मान कार्ड के जरिए 5 लाख तक निशुल्क इलाज दिलवाने का काम भी विभाग के द्वारा किया जा रहा है।

पंचायतों का सशक्तिकरण ही मजबूत लोकतंत्र की नींव : राजभर

- पंचायती राज दिवस पर यूपी में ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष ग्राम सभाएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर उत्तर प्रदेश के गांवों में लोकतंत्र का सजीव स्वरूप देखने को मिला। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों एवं पंचायतों में व्यापक स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों के माध्यम से ग्रामीण विकास, जनभागीदारी तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का संदेश प्रभावी रूप से प्रसारित किया गया।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से पंचायत स्तर पर सहभागितापूर्ण एवं जवाबदेह शासन की भावना को और अधिक सशक्त किया गया। जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सहायकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान पंचायत प्रतिनिधियों एवं कर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया।पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में आयोजित इन कार्यक्रमों के अंतर्गत पंचायत उन्नति सूचकांक (चाप) के तहत प्रगति की समीक्षा, सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण, महिला सशक्तिकरण तथा स्वच्छता एवं अन्य विकास कार्यों में जनसहभागिता बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया। पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस हमारे लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने का अवसर है। पंचायतें ग्रामीण विकास की आधारशिला हैं और प्रदेश सरकार इनके सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक पंचायत पारदर्शी, जवाबदेह एवं आत्मनिर्भर बनकर विकास की धारा को गांव-गांव तक पहुंचाए। पंचायती राज विभाग, उत्तर प्रदेश प्रदेश की पंचायतों को सशक्त बनाकर समग्र ग्रामीण विकास के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सतत प्रयासरत है।

उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों की फसल का होगा जीपीएस सर्वे

- मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर गन्ना विभाग ने शुरू की तैयारी, एक मई से 30 जून तक चलेगा सर्वेक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गन्ना सर्वेक्षण नीति जारी की गई है। इसके तहत गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग गन्ने की फसल का जीपीएस सर्वेक्षण कराएगा। यह जीपीएस सर्वेक्षण एक मई से शुरू होकर 30 जून 2026 तक चलेगा। इसकी सूचना तीन दिन पहले सभी रजिस्टर्ड गन्ना किसानों को मोबाइल एसएमएस के जरिए दी जाएगी। गन्ना सर्वेक्षण टीम में एक राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक और एक चीनी मिल कर्मचारी शामिल होंगे। इनको सर्वेक्षण से पहले प्रशिक्षित भी किया जाएगा। सर्वेक्षण के दौरान किसान की मौजूदगी जरूरी होगी। टीम किसान के खेत पर पहुंचकर जीपीएस के जरिए उत्पादन का डाटा सीधे विभाग के सर्वर पर फीड करेगी। वहीं सर्वेक्षण के बाद खेत का क्षेत्रफल, गन्ने की किस्म समेत अन्य जानकारी भी किसानों को एसएमएस के जरिए दी जाएगी। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग आयुक्त वीना कुमारी मीना ने बताया कि पेराई सत्र 2026-27 के लिए गन्ना सर्वेक्षण नीति जारी कर दी गई है। सर्वेक्षण कार्य एक मई से प्रारम्भ कर 30 जून तक पूरा किया जाएगा। साथ ही बताया कि किसी भी गन्ना कृषक के सर्वेक्षित भूमि का सत्यापन राजस्व विभाग की वेबसाइट www.upbhulekh.gov.in से किया जा सकता है। चीनी मिलें गन्ना सर्वेक्षण के अंतिम आंकड़े सीधे विभागीय वेबसाइट पर ऑनलाइन पोर्ट करेंगी और अपनी वेबसाइट पर प्रदर्शित करेंगी। विभाग के मुताबिक गन्ना सर्वेक्षण के दौरान नए सदस्यों (किसान) का पंजीकरण भी किया जाएगा।

सपा कंग्रेस व टीएमसी ने आधी आबादी के साथ विश्वासघात किया : सुरेश खन्ना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री और लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने शुक्रवार को नैमिषारण्य गेस्ट हाउस में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संबंध में पत्रकार वार्ता की। मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि संसद में महत्वपूर्ण विधेयकों का विरोधकर सपा, कंग्रेस, टीएमसी व डीएमके ने आधी आबादी के साथ विश्वासघात किया है। विपक्षी दलों के इस महिला विरोधी आचरण की मैं निन्दा करता हूँ। कंग्रेस-सपा ने साबित किया कि उनके लिए सत्ता की राजनीति, महिलाओं के अधिकारों से बड़ी है। आने वाले समय में इन दलों को महिलाओं के जनाक्रोश का सामना करना पड़ेगा। वह चुनावी परिणाम को सीधे प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं।

उन्होंने कहा कि इस बिल के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी दलों के सांसदों से समर्थन की अपील की थी। सुरेश खन्ना ने कहा कि सपा, कंग्रेस व टीएमसी जनता की नजरों में हमेशा के लिए गिर गयी हैं। बिल पास हो जाता तो 2029 के लोकसभा चुनाव में 272 महिलाएं संसद में पहुंच जातीं लेकिन परिवारवादी दल महिलाओं को आरक्षण देना नहीं चाहते। कंग्रेस ने महिला आरक्षण को लंबित रखा। मंडल कमीशन की रिपोर्ट को भी कंग्रेस वर्षों तक दबाये रखी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सपा जैसे दल कोटा के भीतर धर्म आधारित आरक्षण की असंवैधानिक मांग उठाकर प्रक्रिया को टालने की कोशिश कर रहे हैं, जो तुष्टीकरण और ध्यान भटकाने का एक तकनीकी बहाना है। इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट हो गया है कि जब भी महिलाओं को समान भागीदारी देने की बात आती है, तो यह दल राजनीतिक बहानों और देरी की दीवारें खड़ी कर देते हैं। इस मौके पर उनके साथ महापौर सुषमा खर्कवाल, लखनऊ के महानगर भाजपा अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, लखनऊ जिला अध्यक्ष विजय मौर्य, एमएलसी मुकेश शर्मा, लालजी प्रसाद निर्मल व विधायकों में ओपी श्रीवास्तव, जय देवी व डॉ. नीरज बोरा उपस्थित रहे।

कंग्रेस कार्यालय में मनाया गया पंचायती राज दिवस

लखनऊ। प्रदेश कंग्रेस कार्यालय लखनऊ पर राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ पदाधिकारियों द्वारा पंचायती राज दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कंग्रेस कमेटी राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रभारी, राष्ट्रीय प्रशिक्षक विजेन्द्र नरवाल ने शिरकत की। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रशिक्षक विजेन्द्र नरवाल प्रदेश के अवध जोन में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन को और अधिक गतिशील बनाने के लिए ओरियंटेशन प्रोग्राम लिया। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन ग्रास रूट के नेताओं को पार्टी की विचार धारा से जोड़ने व उनकी नेतृत्व क्षमता बढ़ाने के लिए सर्वोदय संकल्प शिविरों के आयोजनों पर भी चर्चा की गई। प्रदेश के अवध जोन में प्रदेश स्तरीय संकल्प शिविर का आयोजन मई माह के दूसरे पखवाड़े में रखना तय किया गया है, इसके बाद जून माह से प्रत्येक जनपद में एक दिवसीय संकल्प शिविरों की श्रृंखला चलाने का निर्णय लिया गया है, ताकि कंग्रेस पार्टी की जड़ों को मजबूत किया जा सके आज के इस कार्यक्रम में अवध जोन के कोआर्डिनेटर की भूमिका शिशिर श्रीवास्तव ने निभाई।

लखनऊ के करीब 30 धार्मिक-ऐतिहासिक स्थलों का कायाकल्प पूर्ण

- परियोजनाओं की पूर्णता से पर्यटन विकास को लगे पंख
- पर्यटकों को मिलेगा समग्र और बेहतर अनुभव : जयवीर सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पर्यटन को रफ्तार देने के लिए पर्यटन विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। वर्ष 2025-26 के दौरान शहर और इसके आसपास के करीब 30 प्रमुख धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों के विकास व सौंदर्यीकरण कार्य पूरे कर लिए गए हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से न सिर्फ लखनऊ की समृद्ध विरासत को नई पहचान मिली है, बल्कि शहर का पर्यटन स्वरूप भी अधिक आकर्षक और व्यवस्थित बनकर उभरा है। मंदिरों, घाटों और किलों सहित अन्य स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और पर्यटक सुविधाओं को बेहतर किया गया है। पर्यटन सुविधाओं के विकास से आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को पहले से अधिक सुविधाजनक एवं सुखद अनुभव मिल सकेगा।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि 'लखनऊ की ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक समृद्धि को सहेजते हुए उसे आधुनिक सुविधाओं से जोड़ना हमारी प्राथमिकता है। विशेष रूप से यूनेस्को 'क्रिएटिव सिटी ऑफ़ गैस्ट्रोनॉमी' के रूप में मिली पहचान ने लखनऊ को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर और सशक्त बनाया है। हमारा प्रयास है कि लखनऊ अपनी विरासत, व्यंजन परंपरा और सुव्यवस्थित पर्यटन सुविधाओं के साथ देश-विदेश के पर्यटकों के लिए एक आदर्श गंतव्य बने।'

लखनऊ में पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों के विकास को गति देते हुए विभिन्न परियोजनाओं के तहत कई प्रमुख स्थानों का कायाकल्प किया गया है। इसके अंतर्गत रिसालदार पार्क स्थित बौद्ध विहार, लालकुआं और कानपुर रोड के संत रविदास बारा बिरवा समेत बक्शी का तालाब क्षेत्र के ग्राम कठवारा स्थित ककरहा बाबा शिव मंदिर में घाट निर्माण व सौंदर्यीकरण कराया गया। गोमती नदी तट पर लल्लू मल घाट का विकास, कल्ली पश्चिम में पर्यटन विभाग की भूमि पर बाउंड्रीवाल निर्माण, महाराजा बिजली पासी किला पर ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था और एयरपोर्ट स्थित पर्यटन सूचना केंद्र का उच्चीकरण भी किया गया है। वहीं, मां चन्द्रिका देवी परिसर, अलीगंज स्थित श्री महावीर जी ट्रस्ट हनुमान मंदिर में मुख्य द्वार निर्माण के साथ मलिहाबाद के श्री गोपेश्वर परिसर, बुद्धेश्वर मंदिर, सरोजनी नगर के श्री रेतेश्वर महादेव शिव मंदिर, मोहनलालगंज के रहमतनगर स्थित शिव मंदिर, चौक की बड़ी काली जी मंदिर और चिनहट के छोहरिया माता मंदिर (बड़की देवी) का भी व्यापक रूप से सौंदर्यीकरण कर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

इसी क्रम में आलमबाग कोठी पर फसाड लाइटिंग, माल के ग्राम गान बरौली स्थित बाबा ब्रह्मादेव व हनुमान मंदिर, गोमती नगर विकल्प खंड-2 स्थित मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान, मवई विकासखंड के घटघटा बाबा तीर्थ स्थल, मोहान रोड का धुरधुरी तालाब, ऐशबाग रामलीला मैदान, चिनहट के ग्राम अनौराकला स्थित इमलीबान बाबा मंदिर, चंदर नगर गेट (आलमबाग भवन), कैंट क्षेत्र के छह स्थल, मनकामेश्वर उपवन घाट निर्माण और बीकेटी तहसील के ग्राम कुम्हरावां स्थित प्राचीन महाकालेश्वर मंदिर सहित कई प्रमुख स्थलों को विकसित किया गया है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'विकास कार्यों के जरिए लखनऊ की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को नई पहचान मिली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य केवल निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि ऐसे पर्यटन स्थलों का विकास करना है जहां पर्यटकों को समग्र और बेहतर अनुभव मिल सके। इन परियोजनाओं से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।' अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात ने बताया कि 'लखनऊ में पूर्ण हुई परियोजनाओं से पर्यटन इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक रूप मिला है। एयरपोर्ट पर्यटन सूचना केंद्र के उन्नयन के साथ मंदिरों, घाटों और सार्वजनिक स्थलों के विकास में पर्यटकों की सुविधा व सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है।

एडइनबॉक्स समिट 2026 में फॉरेंसिक साइंस, स्किल्स और भविष्य के करियर पर बड़ा मंथन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित एडइनबॉक्स रीजनल हायर एजुकेशन समिट 2026 सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जहां सुबह से शाम तक चले इस आयोजन में शिक्षा जगत के विशेषज्ञों, विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों, स्कूल लीडर्स, नीति निर्माताओं और बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया।

समिट ने उच्च शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और इंडस्ट्री एकेडेमिया तालमेल जैसे अहम विषयों पर प्रभावी चर्चा का मंच प्रदान किया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. (डॉ.) आदर्श कुमार, निदेशक, फॉरेंसिक साइंस लेबोरेट्रीज द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. ए.के. श्रीवास्तव (डिप्टी डायरेक्टर, एफएसएल लखनऊ), डॉ. टी.पी. सिंह (प्रो वाइस चांसलर, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी), प्रो. उज्जवल के. चौधरी (प्रो वाइस चांसलर, टेक्नो इंडिया यूनिवर्सिटी एवं एडिटोरियल एडवाइजर, एडइनबॉक्स कम्युनिकेशन) और प्रो. (डॉ.) दीप्ति शुक्ला (प्रिंसिपल, समर्पण इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज, लखनऊ) सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लिए इएसजी शिखर सम्मेलन में मंथन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में शुक्रवार को आईआईएम, लखनऊ में भारत पर्यावरण-सामाजिक-शासन (इएसजी) शिखर सम्मेलन 2026 का आयोजन किया गया। सम्मेलन में उद्यमियों, नीति निर्माताओं, वित्तीय संस्थानों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को व्यावहारिक इएसजी उपायों के जरिए वैश्विक बाजारों से जोड़ना रहा।

उत्तर प्रदेश में 90 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयां हैं, जो रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों की मजबूत आधारशिला मानी जाती हैं। AFC India Limited एएफसी इंडिया लिमिटेड द्वारा इंडिया इएसजी अलायंस के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन में वस्त्र, हस्तशिल्प, चमड़ा और कृषि आधारित उद्योगों सहित विभिन्न क्षेत्रों के 125 से अधिक उद्यमों ने भागीदारी की।

सम्मेलन का मुख्य आकर्षण उत्तर प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए इएसजी मार्गदर्शिका का विमोचन रहा। इस मार्गदर्शिका का उद्देश्य इएसजी जैसे जटिल विषय को सरल बनाना है, ताकि उद्यमी बेहतर प्रथाओं के जरिए मूल्य निर्धारण, बाजार संपर्क और वित्तीय संसाधनों तक पहुंच बढ़ा सकें।

दिनभर चले सत्रों में विशेषज्ञों ने छोटे उद्योगों के सामने आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों पर चर्चा की। इसमें निर्यात आदेश पाने की संभावनाएं बढ़ाने, लागत कम करने, नए बाजारों तक पहुंच बनाने और वित्तीय अवसरों का लाभ उठाने जैसे विषय शामिल रहे।

उद्घाटन सत्र में आलोक सिन्हा ने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश के उद्योग वैश्विक मानकों के अनुरूप खुद को ढालते हैं तो उनके सामने व्यापक अवसर खुलेंगे। मशहर वेलपूर्त ने कहा कि उत्सर्जन और हरित वित्त जैसे विषय अब दीर्घकालिक व्यावसायिक स्थिरता से सीधे जुड़े हैं। वहीं प्रकाश सिंह मन्हास ने लचीली शिक्षण प्रणालियों की आवश्यकता बताई।

उप्र की 181 हेल्पलाइन : 2025-26 में शिकायतों का सौ फीसदी निस्तारण

- 24 घंटे सक्रिय हेल्पलाइन से त्वरित मदद, एक कॉल में समस्या का समाधान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में संचालित 181 महिला हेल्पलाइन प्रदेश की महिलाओं के लिए संकट के समय मजबूत सहारा बनकर उभरी है। वर्ष 2025-26 में इस हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण एक बड़ी उपलब्धि है, जो नारी की गरिमा व सुरक्षा के प्रति सरकार की गंभीरता दर्शाती है।

आंकड़ों पर नजर डाले तो महिला हेल्पलाइन 181 पर एक अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक 85 हजार से ज्यादा शिकायतें आई। इनमें अधिसंख्य शिकायतें घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, साइबर क्राइम, मारपीट से जुड़ी थीं। कुछ ऐसे भी मामले थे, जिनमें महिलाओं ने अस्पताल में इलाज के लिए या जमीन-जायदाद से जुड़े प्रकरणों में मदद मांगी। राशन दिलाने में मदद के लिए भी कई महिलाओं ने हेल्पलाइन से संपर्क किया। ये सभी मामले निस्तारण के लिए सम्बंधित विभागों को ट्रांसफर किए गए। उल्लेखनीय यह है कि हेल्पलाइन इन सभी मामलों का संतुष्टिपरक निस्तारण करने में सफल रही।

किसी भी प्रकार की समस्या या जानकारी के लिए महिलाएं इस हेल्पलाइन से सीधे संपर्क कर सकती हैं। शिकायत के मामले दो मिनट के भीतर संबंधित वन स्टॉप सेंटर को ट्रांसफर कर दिए जाते हैं। इसके बाद संबंधित जनपद में स्थापित डैशबोर्ड के माध्यम से तैनात महिला कर्मचारी पीड़िता से संपर्क कर उसकी समस्या को समझती है और हरसंभव सहायता उपलब्ध कराती है। यह हेल्पलाइन सातों दिन और चौबीस घंटे सक्रिय रहती है, जहां घरेलू हिंसा, उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना और मानसिक तनाव जैसी समस्याओं से जूझ रही महिलाओं को त्वरित सहायता मिलती है। साथ ही पीड़ित महिलाओं को मनोवैज्ञानिक, कानूनी और सामाजिक सहयोग भी प्रदान किया जाता है। योगी सरकार के कार्यकाल में इस सेवा का दायरा और प्रभाव लगातार बढ़ा है। तेज निस्तारण, संवेदनशील कार्यप्रणाली और तकनीकी सुदृढ़ता के जरिए 181 महिला हेल्पलाइन आज प्रदेश की महिलाओं के सशक्तीकरण की एक मजबूत कड़ी बन चुकी है, जो हर महिला को सुरक्षा और सम्मान का भरोसा दिला रही है।

महिला कल्याण निदेशालय की निदेशक डॉ. वंदना वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 181 महिला हेल्पलाइन इस दिशा में एक सशक्त माध्यम बनकर सामने आई है, जिसके जरिए महिलाओं को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

जन आक्रोश सम्मेलन में महिलाओं का विपक्ष पर फूटा आक्रोश

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिले के प्रेक्षागृह में विभिन्न महिला संगठनों के तत्वावधान में शुक्रवार को एक विशाल 'जन आक्रोश सम्मेलन' का आयोजन किया गया।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची उत्तर प्रदेश सरकार की राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि आज देश शक्ति स्वरूपा माँ पीताम्बरा के प्राकट्य उत्सव की भक्ति में लीन है। मान्यता है कि माता की आराधना करने से शत्रुओं का दमन होता है और जीवन की समस्त मनोकामनाएं सिद्ध होती हैं। पर इस आध्यात्मिक उल्लास के बीच नारी शक्ति को अपना हक लेने के लिए 'जन आक्रोश सम्मेलन' के जरिए सड़क पर उतरना पड़ रहा है। यह नारी शक्ति के सम्मान पर एक गहरी चोट है। महिलाओं का संघर्ष विपक्ष की उस संकीर्ण मानसिकता को दर्शाता है, जो धर्म और जाति के नाम पर वोटबैंक की राजनीति के लिए महिलाओं के गौरव को ताक पर रख देती है। उन्होंने कहा कि आज की नारी माँ पीताम्बरा से यही प्रार्थना करती है कि वह ऐसी महिला-विरोधी सोच का अंत करें और विपक्ष को सद्बुद्धि दें। समय की मांग है कि राजनीतिक द्वेष छोड़कर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को पूर्ण समर्थन दिया जाए। देश की आधी आबादी को वास्तविक रूप से सशक्त और सक्षम बनाने के लिए इस संशोधन बिल का पारित होना अनिवार्य है! सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने आगे कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद में पारित होना भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है, लेकिन संशोधन बिल के माध्यम से महिलाओं को हक दिलाने की बात हुई तो कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और राजद जैसे दलों ने इस ऐतिहासिक कदम का समर्थन न करके यह सिद्ध कर दिया है कि वे महिला सशक्तिकरण के प्रबल विरोधी हैं। 33 प्रतिशत आरक्षण देश की आधी आबादी का संवैधानिक हक है। विपक्षी दल इसे धर्म, जाति और कोटे के भीतर कोटे जैसे तर्कों में उलझाकर केवल अपनी तुष्टीकरण की राजनीति को पोषण दे रहे हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगियों के लिए महिला हित कभी प्राथमिकता नहीं रहेय वे केवल वोट बैंक की राजनीति के पोषक हैं। विकसित भारत के संकल्प में महिलाओं की सहभागिता पर सम्मेलन में उपस्थित विभिन्न संगठनों की महिलाओं ने एक स्वर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि मोदी-योगी सरकार ने महिलाओं को केवल 'लाभार्थी' नहीं बल्कि 'राष्ट्र निर्माता' के रूप में स्थापित किया है। उज्ज्वला योजना, पीएम आवास और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया गया है। विकसित भारत का संकल्प तभी पूरा होगा जब नारी शक्ति सशक्त होगी, और वर्तमान सरकार इसी दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। महिलाओ ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में महिला सशक्तिकरण केवल 'फोटो इवेंट' और कागजी नारों तक सीमित था। परिवारवाद की राजनीति के कारण महिलाओं के वास्तविक अधिकारों का गला घोंटा गया। विपक्षी नेताओं ने हमेशा अपने परिवार के हितों को देश की आधी आबादी के हितों से ऊपर रखा।

सम्मेलन के अंत में निंदा प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें विपक्षी दलों से अपनी संकीर्ण मानसिकता त्यागकर नारी शक्ति के उत्थान में सहभागी बनने की अपील की गई। महिला संगठनों ने संकल्प लिया कि वे घर-घर जाकर विपक्ष की इन 'कु-नीतियों' का पर्दाफाश करेंगी। सम्मेलन में जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन नीतू ने किया।

राज्यमंत्री रजनी तिवारी की अगुवाई में महिलाओं ने प्रेक्षागृह से आंबेडकर पार्क तक विरोध मार्च निकाला। आंबेडकर पार्क में बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कहा कि बाबा साहेब डॉ०भीमराव अंबेडकर ने महिलाओं के अधिकारों और सशक्तिकरण को समाज की प्रगति का मुख्य पैमाना माना, लेकिन कांग्रेस ने उन्हें उस समानता के अधिकार से वंचित रखा। महिला आरक्षण अब समय की मांग है और भारत की मातृ शक्ति अपना हक लेकर रहेगी।

सम्मेलन में मुख्य रूप से अलका, शशि, कुमुदिनी, महिमा श्रीवास्तव, अनुपमा सिंह, किरण अग्रवाल, सोनी, अदिति कुशवाहा, सुमन, चंद्रप्रभा, श्वेता, अनीता गुप्ता, सुमन सिंह, कृति अग्रवाल, निधि, शोभना, दीपा बिस्वास, शहीद कई महिलाओं ने भाग लिया!

ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे ने जिला टॉप 10 सूची में पाया स्थान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। राघोपुर क्षेत्र के नगर स्थित गांव में एक गरीब किसान के बच्चे ने टॉप टेन सूची में आठवां स्थान प्राप्त किया है महेश पुत्र जयचंद माता महादेवी ग्राम मरदान नगर पोस्ट राघोपुर जिला हरदोई ने हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा में आठवां स्थान प्राप्त कर अपने क्षेत्र व अपने जिले का नाम रोशन किया है कक्षा 8 तक की शिक्षा महेश द्वारा बताया गया कि आदर्श आजाद जूनियर हाईस्कूल राघोपुर में प्राप्त की है उसके बाद उसके बाद मल्लावां क्षेत्र में आने वाले बृजरानी इंटर कॉलेज बांसा में अपनी शिक्षा दीक्षा प्राप्त कर रहे हैं। महेश से जब पूछा गया इतनी अपार सफलता का श्रेय किसे देना चाहते हैं तो महेश ने बताया इसका संपूर्ण श्रेय अपने गुरुजनों और अपने माता.पिता को देना चाहता हूं आगे बताया कि मैं आगे बढ़कर कुछ करुंगा जिससे मेरे माता.पिता और गुरुजनो का नाम रोशन हो मैं आगे चलकर आईएएस बनना चाहता हूं। इस अवसर पर विद्यालय में रमेश कुमार सिंह, गिरीश चंद्र, आदित्य पाल, अंकित पाल, अजीत सिंह, जितेंद्र पाठक सहित कई लोग मौजूद रहे।

रिक्शा से जा रहे परिवार पर बदमाशों ने झोंका फायर, गोली लगने से बालिका घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मझिला (हरदोई)। जनपद में अपराध और अपराधियों के बढ़ते क्रम में अंकुश लगाने में प्रशासन नाकाम नजर आ रहा है जहां आए दिन हत्या और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर अपराधिक घटनाएं दिन प्रतिदिन घटती रहती है! ऐसा ही मामला एक प्रकाश में आया है जिसमें रिक्शा से जा रहे परिवार पर बेखौफ़बदमाशों ने फायर झोक दिया घटना में बालिका बुरी तरह घायल हो गई!

प्राप्त जानकारी के अनुसार आयुषी (10) पुत्री गुड्डू, निवासी कादरी गेट जनपद फर्रुखाबाद अपने भाई व माँ के साथ आठ दिन पूर्व एक शादी समारोह में अपने नाना राजबहादुर निवासी पारा थाना मझिला जनपद हरदोई आई थी! शुक्रवार को ई-रिक्शा से आयूषी, आयूषी का भाई व माँ अपने घर फर्रुखाबाद जा रहे थे तभी थाना मझिला क्षेत्र के अंतर्गत लोकपुरवा के पास मोटर साइकिल सवार तीन नकाबपोश बदमाशों द्वारा फायर किया गया। जिससे आयूषी के टांग में गोली लगने से घायल हो गई! घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पंहुचकर घाय्ल आयुषी को सीएचसी पिहानी में भर्ती कराया गया। घायल की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटनास्थल का उच्चाधिकारियों व स्थानीय पुलिस द्वारा निरीक्षण किया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को चेक कर रही है। घटना के संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि तहरीर प्राप्त कर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। स्थानीय पुलिस द्वारा घटना में संलिप्त एक बालपचारी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की जा रही है!

गोली लगने से अस्पताल में भर्ती घायल आयुषी

एलपीएस में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। लखनऊ पब्लिक स्कूल माधौगंज हरदोई शाखा में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अंतर स्कूल तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में लखनऊ पब्लिक स्कूल की सभी शाखाओं एवं कुछ अन्य स्कूलों के बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का आरंभ अभय शंकर गौर चेयरमैन रेडियो जागो 90.4 एफएम के द्वारा मां सरस्वती का पूजन करके किया गया। इसके अंतर्गत 25 मीटर फ्री स्टाइल, 50 मीटर बटर फ्लाई, 100 मीटर इंडिविजुअल मिड रिले, 4x50 की मिड रिले सहित 32 प्रकार की प्रतियोगिताएँ कराई गई। जिनमें 16 प्रतियोगिताएँ लड़कियों की तथा 16 प्रतियोगिताएँ लड़कों से संबंधित थीं। सभी विद्यालयों के बच्चों ने इनमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में विजेता तथा उपविजेता टीम को ट्राफी प्रदान की गई। प्रतियोगिता में लखनऊ पब्लिक स्कूल गोमती नगर विजेता तथा लखनऊ पब्लिक स्कूल वृंदावन योजना शाखा उपविजेता रही। विजेताओं एवं उपविजेताओं ने इस उपलब्धि के माध्यम से लखनऊ पब्लिक स्कूल का नाम रोशन किया। इसमें लखनऊ पब्लिक स्कूल माधौगंज शाखा के बच्चों ने 8 रजत पदक तथा 3 कांस्य पदक जीतकर विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन किया। मुख्य अतिथि अभय शंकर गौर चेयरमैन रेडियो जागो 90.4 एफएम एवं लखनऊ पब्लिक स्कूल की मुख्य प्रशासिका एवं निवर्तमान एमएलसी कांति सिंह द्वारा विजेताओं तथा प्रतिभागियों को पुरस्कार के रूप में ट्राफी, स्वर्ण पदक, रजत पदक एवं काँस्य पदक के साथ-साथ प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। इस आयोजन में विशेष रूप से रॉबिन कपूर निदेशक स्विमिंग एसोसिएशन उत्तर प्रदेश, नीरज मिश्रा उपाध्यक्ष यूपी एसएए एसएस दत्ता, हिमांशु तिवारी एवं सुबोध मिश्रा मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने विद्यालय के द्वारा किए गए इस आयोजन की सराहना की तथा बताया कि तैराकी बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विद्यालय की प्रधानाचार्या अनीता वर्मा ने आयोजन में आए हुए सभी गणमान्य लोगों एवं अतिथियों को शिशु तरु तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया तथा सभी का आभार व्यक्त किया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै आशा देवी पत्नी अशोक कुमार वर्मा, पताः- 210/1 मोहल्ला बहरा सौदागर, धर्मशाला रोड, थाना कोतवाली शहर, जिला-हरदोई की निवासिनी हूँ। मेरे दोनों पुत्र नितिन कुमार, ऋतुराज सिंह व उनकी पत्नियों आशा देवी व विभा देवी आदि मोहल्ले वालो के बहकावे में आकर गलीत संगति में पड़ गये है जिनके चाल-चलन खराब हो गये है ठीक नहीं है। मेरे दोनों पुत्र व उनकी पत्नियां आए दिन मेरे व मेरे पति के साथ झगड़ा व गाली गलौज करती रहती है। काफी समझाने के बावजूद दोनो पुत्र व उनकी पत्नियां चाल-चलन व बर्ताव में कोई सुधार नहीं हुआ, जिससे क्षुब्ध होकर अपने दोनों पुत्रो नितिन कुमार व ऋतुराज सिंह व उनकी पत्नियों आशा देवी व विभा देवी को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ। अब भविष्य में मेरे दोनों पुत्र नितिन कुमार, ऋतुराज सिंह व उनकी पत्नियों आशा देवी व विभा देवी किये गये किसी भी कृत्य, लेन-देन से मेरा व मेरे परिवारीजनों का कोई सरोकार नहीं होगा। वह चारो स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

काली माता मंदिर में महिला ने जीभ चढ़ाने का किया प्रयास, हालत स्थिर

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में स्थित काली माता

मंदिर में शुक्रवार को एक हैरान करने वाली घटना सामने आई। बावन चुंगी, कोतवाली शहर निवासी ऊषा गुप्ता पत्नी राकेश ने मंदिर परिसर में आस्था के चलते अपनी जीभ चढ़ाने का प्रयास किया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली देहात के प्रभारी निरीक्षक हरि नाथ यादव मौके पर पहुंचे और तत्काल कार्रवाई करते हुए महिला को अपनी ही गाड़ी से परिजनों के साथ जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार महिला की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। घटना के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है। मंदिर परिसर में इस घटना को लेकर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा।

झोलाछाप के इलाज से अधेड़ की मौत का परिजनों ने लगाया आरोप

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सरकार व प्रशासन के लाख प्रयासों के बावजूद सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की लचर व्यवस्था के परिणाम स्वरूप क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टर व प्राइवेट क्लिनिक खूब फल-फूल रहे हैं, जिसका खामियाजा ग्रामीण क्षेत्र के भोली भाली जनता भुगत रही है! कभी-कभी तो उनको अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ता है! प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के पूरब खेड़ा गांव के 55 वर्षीय तेजपाल को बुखार की कुछ शिकायत मालूम हुई! जिसके इलाज के लिए उन्होंने झोलाछाप डॉक्टर से संपर्क किया! इलाज के दौरान डॉक्टर ने तेजपाल को एक इंजेक्शन लगाया! इसके बाद मरीज की हालत अचानक बिगड़ने लगी! यह देखकर झोलाछाप मौके से रफूचक्कर हो गया! जिसके कुछ समय बाद मरीज की मौके पर ही मौत हो गई! घटना की जानकारी परिजनों ने डायल 112 को दी! सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है! थाना अध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि गलत इलाज से मरीज की मौत के परिजनों द्वारा लगाया गया आरोप जांच में झूठ पाए गए हैं तथा पीड़ित पक्ष की ओर से कोई भी तहरीर नहीं दी गई है!

मृतक की फाइल फोटो

अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवक गंभीर, इलाज के दौरान मौत

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत संडीला बेनीगंज मार्ग पर अहिरावां गाँव के पास दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए! जिनकी उपचार के दौरान मौत हो गई! प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत संडीला बेनीगंज मार्ग पर अहिरवां गांव के पास सड़क दुर्घटना में सूरज (28) पुत्र मुकेश और कपिल (25) पुत्र मैकू निवासी पाही थाना बेनीगंज गंभीर रूप से घायल हो गए! सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा घायलों को सीएचसी कोथावां ले जाया गया! जहां डॉक्टरों ने सूरज को मृत घोषित कर दिया और कपिल की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर कर दिया! हरदोई से लखनऊ रिफर ले जाते समय रास्ते में कपिल की हालत को गंभीर देखते हुए उन्हें सीएचसी संडीला ले जाया गया, जहां मौजूद डॉक्टरों ने कपिल को भी मृत घोषित कर दिया! घटना से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है! पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है!

शिल्पी हत्याकांड में अशांति फैलाने को लेकर तीन लोगों के खिलाफमुकदमा दर्ज कर की गयी विधिक कार्यवाही

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मल्लावां क्षेत्रान्तर्गत ग्राम गढ़ी रसूलपुर (शिल्पी कुशवाह प्रकरण) के सम्बन्ध में कुछ व्यक्तियों द्वारा जाति उन्माद फैलाकर शान्ति व्यवस्था को खराब करने उद्देश्य से सोशल मीडिया के माध्यम से आम जनता को भ्रमित कर उकसाने का प्रयास कर रहे हैं, जिसके क्रम में सोशल मीडिया के माध्यम से कुछ संगठनो व अन्य यूटूबर द्वारा आम जनता में जाति उन्माद/वैमनस्यता पैदा करते हुए 23 अप्रैल 2026 को सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राम गढ़ी रसूलपुर में आम जनता को पहुंचने का आवाहन किया गया, जिससे उक्त संगठनों के आवाहन पर 23 अप्रैल 2026 को सम्बन्धित ग्राम में लगभग 150 व्यक्ति पहुंचे, वहां पहुंचकर उनके द्वारा कानून व्यवस्था को प्रभावित किया गया तथा सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की जिससे कानून एवं शान्ति व्यवस्था प्रभावित हुई। उक्त प्रकरण के संबंध में विभिन्न संगठन व व्यक्तियों के विरुद्ध थाना स्थानीय पर सुसंगत धाराओ में अभियोग पंजीकृत किया गया है तथा 03 व्यक्ति सन्दीप मौर्या (उम्र करीब 26 वर्ष), विपिन मौर्या (उम्र करीब 23 वर्ष) व अमन मौर्या (उम्र करीब 21 वर्ष) सर्व निवासी ग्राम उसरहा थाना कछौना जनपद हरदोई को गिरफ्तार करते हुए विधिक कार्यवाही की गई है। उक्त के सम्बन्ध में कतिपय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपरोक्त गिरफ्तार तीनों व्यक्तियों के सम्बन्ध में लापता होने सम्बन्धी मिथ्या एवं भ्रामक खबर प्रसारित की जा रही है। जो पूर्णतः असत्य/निरधार है। हरदोई पुलिस तीन युवकों के लापता सम्बन्धी प्रसारित खबर का खंडन करती है।

संदिग्ध परिस्थितियों में सिक्योरिटी गार्ड का मिला शव, परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप

मोर्चरी के बाहर रोते बिलखते परिजन फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे पर एक सिक्योरिटी गार्ड का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिला है। मृतक की पहचान बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के नाऊपुरवा मजरा पसनेर गांव निवासी 35 वर्षीय संतोष पुत्र योगेंद्र कुमार के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को हरपालपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों ने संतोष की हत्या का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार, संतोष गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रही पटेल इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड था। उसके पिता योगेंद्र ने बताया कि संतोष गुरुवार रात ड्यूटी के लिए दुर्गागंज प्लांट गया था, जहां से उसे बद्रीपुरवा गांव के पास पोकलैंड मशीन की सुरक्षा में भेजा गया था। पिता का आरोप है कि संतोष के साथ मारपीट करने के बाद उसे गाड़ी से कुचलकर मार डाला गया है। घटना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में गई युवक की जान

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना क्षेत्र के अंतर्गत खरगपुर तिराहे के पास हुए सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई थी। इस मामले में पुलिस ने फरार बोलेरो और उसके चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना को लेकर मृतक नितिन के पिता कल्लू पुत्र दीपलाल, निवासी गुरुसहाय पुरवा ;थाना अरवलद्ध ने हरपालपुर कोतवाली में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात बोलेरो और उसके चालक के विरुद्ध बीएनएस की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पूरी घटना के अनुसार, बीती 20 अप्रैल की रात नितिन अपनी बाइक से साथियों के साथ काम पर निकला था। खरगपुर तिराहे के पास अर्जुनपुर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार बोलेरो ने उसे टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल नितिन को पहले सीएचसी हरपालपुर और फिर जिला अस्पताल ले जाया गया थाए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने अभियोग दर्ज कर अज्ञात वाहन और चालक की तलाश शुरू कर दी है।

चार नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी हुई दर्ज

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अरवल थाना क्षेत्र के टिकार गांव स्थित देशी शराब ठेके के सेल्समैन के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। जानकारी के अनुसार हरपालपुर कोतवाली के ग्राम सुभौआपुर निवासी सेल्समैन सोनपाल ने पुलिस को बताया कि 21 अप्रैल की शाम जब वह ठेके के बाहर निकलाए तभी चार लोगों ने उसे घेर लिया। आरोप है कि चैनसिंह खद्दीपुर गांव निवासी सुभाष कश्यप समेत चार लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और ईंट-पत्थर चलाए। जाते-जाते आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है।

युवक के साथ मारपीट का मामला हुआ दर्ज

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। थाना क्षेत्र के ग्राम भदार में शादी समारोह के दौरान एक युवक के साथ मारपीट का मामले में पुलिस ने दो नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसारए हरपालपुर के ग्राम भदार निवासी रिंकू पुत्र जागेश्वर ने पुलिस को बताया कि 21 अप्रैल की रात वह गांव में ही एक बारात में खाना बना रहा था। तभी गांव के कुरेन्द्रपाल और सोनू पुत्र रामरतन शराब के नशे में आए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लात-घूंसों और डंडों से रिंकू की पिटाई कर दीए जिससे उसे गंभीर चोटें आई हैं। जाते समय आरोपी उसे जान से मारने की धमकी दे गए। प्रभारी निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार पंकज ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर की गई है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कैरियर पब्लिक स्कूल की छात्रा ने विद्यालय में टॉप किया

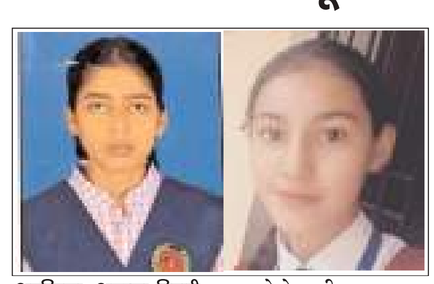

अवन्तिका, अनुष्का तिवारी फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। कैरियर पब्लिक स्कूल की हाई स्कूल की छात्रा अवंतिका ने 91.5 प्रतिशत अंक पाकर विद्यालय में टाप किया है। कैरियर पब्लिक स्कूल के प्रबंधक डाक्टर सलीम सिद्दीकी ने बताया 53 छात्र और छात्राएं हाई स्कूल की परीक्षा में सम्मिलित हुए थे जिनमें से 51 छात्र-छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं । अवंतिका ने टॉप किया है। दूसरी तरफ एसडी जनता इंटर कॉलेज बजरिया की हाई स्कूल की छात्रा अनुष्का तिवारी ने 91.5 प्रतिशत अंक पाकर कॉलेज का नाम रोशन किया। प्रबंधक सत्यवीर शुक्ला ने बताया छात्रा काफी होनहार है। छात्रा की सफलता से कॉलेज परिवार काफी प्रसन्न है।

टॉपर छात्रों का सम्मान, प्रधानाचार्य ने 11-11 हजार रुपये देकर किया उत्साहवर्धन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित करने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में मोहल्ला बाजार शम्भा स्थित गीता विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में जिले की टॉप सूची में स्थान बनाने वाले छात्रों का भव्य सम्मान किया गया।

शुक्रवार को विद्यालय के छात्र समर्थ गुप्ता, पुत्र अरुण गुप्ता निवासी दिलेरगंज तथा शरदवीर सिंह, पुत्र पंकज सिंह निवासी शर्मा ने हाईस्कूल परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। दोनों छात्रों की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य प्रमोद गुप्ता एवं विद्यालय स्टाफ ने दोनों मेधावी छात्रों को फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए 11-11 हजार रुपये का नगद पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। प्रधानाचार्य प्रमोद गुप्ता ने कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली छात्र विद्यालय की पहचान होते हैं। उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों छात्र आगे भी इसी तरह मेहनत कर उच्च मुकाम हासिल करेंगे। विद्यालय के अन्य शिक्षकों ने भी छात्रों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल रहा।

कमजोर मानसून और आपदा प्रबंधन

आगामी मानसून को लेकर पहला पूर्वानुमान जारी करने के साथ मौसम विभाग ने आने वाले मानसून सत्र में सामान्य से कम बरसात के संकेत दिए हैं। हालांकि मानसून पूर्वानुमान अभी और जारी किये जाएंगे पर यह आरंभिक सूचना आने वाले समय के लिए गंभीर संकेत है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार सामान्य से 8 फीसदी तक कम बरसात की संभावना जताई गई है। देश के कई हिस्सों में कम बरसात के संकेत हैं तो कुछ हिस्सों में सामान्य बरसात हो सकती है। माना जा रहा है कि अलनीनो इफ़ेक्ट के चलते मानसून कमजोर रहेगा। यह सही है कि हमारे मौसम मंत्रालय द्वारा जारी पूर्वानुमान काफी हद तक आसपास रहने लगे हैं। यहां तक कि दो से तीन घंटों में बरसात होने या आंधी-तूफान या ओलावृष्टि तक के पूर्वानुमान खरे उतरने लगे हैं। ऐसे में मौसम विभाग के पूर्वानुमानों को गंभीरता से लेते हुए केन्द्र व राज्यों की सरकारों को अभी से पूर्व तैयारियां करने में जुट जाना चाहिए। खासतौर से आपदा प्रबंधन मंत्रालय को अभी से भावी रणनीति तय करनी होगी। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है जिसके अनुमानों के अनुसार 81 सेमी तक रहने की आशंका है। पूर्वानुमानों को मानें तो साल 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी, उसके बाद के वर्षों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले आठ वर्षों में मानसून की स्थिति देखें तो साल 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसपास व इससे अधिक रही है। हमारे देश में मानसूनी बरसात पर निर्भरता अधिक है। जहां खेती में मानसूनी बरसात की निर्भरता बहुत अधिक है तो दूसरी ओर पेयजल को लेकर भी मानसून पर निर्भरता अधिक है। जलाशयों में पानी के भण्डारण और भूजल स्तर भी बरसाती पानी पर निर्भर है। हमारी खेती मुख्यतः मानसून पर निर्भर है। सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता में कमी के कारण मानसून पर खेती 55 से 64 प्रतिशत निर्भर है। पीने के पानी की समस्या भी कमजोर मानसून से प्रभावित होती है। हमारे यहां मानसून की अवधि जून से सितंबर तक रहती है। अब सवाल उठता है कि पिछले वर्षों में मानसून सामान्य से अच्छा रहने के बावजूद कमजोर मानसून की स्थिति से निपटने में हमारी तैयारी अच्छी नहीं मानी जा सकती। अत्यधिक भूजल दोहन और जल संचयन की दीर्घकालिक नीति के अभाव में ठोस परिणाम प्राप्त नहीं हो पाये हैं। ऐसा नहीं है कि नीति नहीं बनती हो या ऐसा भी नहीं है कि जल संचयन के प्रयास नहीं होते हों पर जो परिणाम देखने में आए हैं वह कोई आशाजनक नहीं माने जा सकते। पानी के विवेकपूर्ण उपयोग की बात हमारे यहां बेमानी है। प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण व संधारण में भी हम कुछ अधिक नहीं कर पाये हैं। इसके अलावा दुर्भाग्यजनक बात यह है कि तात्कालिक प्रयास होते हैं। शहरीकरण की आड़ में प्राकृतिक जल स्रोत या तो नष्ट हो गए हैं या उनमें बरसात के पानी जाने के रास्ते अवरुद्ध या बंद हो गए हैं। नदी नालों के रास्ते या तो बंद हो गए हैं या अवरुद्ध हो गए हैं। बरसात के पानी के जलाशयों व रास्तों में अनधिकृत कब्जे, निर्माण और रिसोर्ट बना दिए है। एक समय ऐसा भी आया कि जब विशेषज्ञों ने बरसात के पानी जाने के रास्तों में जगह-जगह एनिकट बनाने की सलाह दे डाली और छोटे-छोटे एनिकट बनने से नदियों-जलाशयों में पानी की आवक प्रभावित हो गई। इससे तात्कालिक यानी एनिकटों में पहले पानी एकत्र तो हुआ पर बाद में इनका रखरखाव नहीं होने से दोहरा नुकसान हुआ। इसी तरह वर्षा जल संचयन के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए सरकार ने अरबों रुपये खर्च किये पर उनके निर्माण के आंकड़े पूरे करने के चक्कर में हम भूल गए कि बरसात के पानी इनमें कितना व कैसे जा पाएगा। फिर बरसात से पहले इनकी देखरेख पर भी ध्यान नहीं देने से जो परिणाम मिलने चाहिए थे वे नहीं मिल सके हैं। हमारे दैनिक उपभोग में भी पानी का उपयोग काफी बढ़ा है। आज पेयजल से कई गुणा अधिक पानी टॉयलेट और कूलरों में उपयोग होने लगा है। समय रहते टॉयलेट में कम पानी के उपयोग की कोई राह निकाली जाती तो हालात में सुधार होता। इसी तरह देशभर में वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम लगाने का अभियान चला पर इनके परिणाम भी ज्यादा अच्छे नहीं देखे जा रहे। रिसाइकिल पानी को लेकर भी कोई स्पष्ट नीति तय हो तो कुछ हद तक समाधान हो सकता है। कमजोर मानसून के हालात से निपटने की कार्ययोजना हमें अभी से बनानी होगी। मौसम विभाग ने अप्रैल में यह चेतावनी दे दी है। मानसून जून में आएगा। ऐसे में अभी मई का महीना हमारे पास है। अभी से सरकार को कमर कसनी होगी। कमजोर मानसून के हालात में हमें कम पानी से अधिक बेहतर हालात बनाने के प्रयास करने होंगे। इसके लिए जहां पानी की एक-एक बूंद को सहेजने की रणनीति तैयार करनी होगी, वहीं कृषि मंत्रालय को खरीफ के लिए इस तरह की रणनीति बनानी होगी जिसमें कम पानी के उपयोग से बेहतर फसल तैयार होने वाली फसलों और किस्मों के लिए किसानों को प्रेरित हो सके। खेती किसानी भी प्रभावित ना हो और पैदावार भी अच्छी हो इसकी रणनीति बनानी होगी। अधिक पानी की आवश्यकता वाली फसलों की खेती ना करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करना होगा। इसी तरह जलाशयों, बांधों में उपलब्ध पानी का प्रबंधन योजनाबद्ध तरीके से करना होगा। अभी से आमजन को पानी के अपव्यय को रोकने के लिए प्रेरित करना होगा। कहने का अर्थ है कि जब आने वाले हालात की तस्वीर हमारे सामने कमोबेश आ चुकी है तो समय रहते इस तरह की रणनीति बनानी होगी ताकि कमजोर मानसून में भी हमारी जल प्रबंधन क्षमता बेहतर रह सके। आपदा प्रबंधन मंत्रालय को अभी से संबंधित मंत्रालयों, खासतौर से कृषि, जल आपूर्ति करने वाले विभागों, बांधों एवं जलाशयों का प्रबंधन करने वाले विभागों, जल संसाधन विभागों से समन्वय बनाकर रणनीति तैयार करनी होगी। इसके साथ ही आमजन को भी पानी के उपयोग को लेकर अधिक सजग और जिम्मेदार नागरिक के रुप में भूमिका निभानी होगी।

मौजूदा दौर में भारत-दक्षिण कोरिया संबंध

डॉ. प्रियंका सौरभ

> **दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनियाँ भारत में लंबे समय से निवेश कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल निर्माण, स्टील, शिप बिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कोरियाई कंपनियों की मजबूत उपस्थिति है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया का निवेश अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और ग्रीन एनर्जी जैसे अभियानों में कोरियाई तकनीक तथा पूंजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है इन सबके बीच कुछ चुनौतियाँ भी हैं। वर्ष 2010 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता यानी सीईपीए लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापार को गति देना था लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं आए। गैर-टैरिफ बाधाएँ, गुणवत्ता मानकों से जुड़े नियम, जटिल नियामक प्रक्रियाएँ, लॉजिस्टिक समस्याएँ और बाजार पहुँच की कठिनाइयाँ व्यापार वृद्धि में रुकावट बनती रही हैं। भारत को अपने निर्यात में विविधता लानी होगी, जबकि दक्षिण कोरिया को भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने होंगे।**

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध आज के वैश्विक दौर में नई अहमियत प्राप्त कर रहे हैं। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और क्षेत्रीय शांति के समर्थक हैं। एशिया के बदलते शक्ति संतुलन, चीन की बढ़ती आक्रामकता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत तथा दक्षिण कोरिया को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर दिया है। दोनों देशों के बीच वर्षों से मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं लेकिन अब समय की मांग है कि इन्हें नई ऊर्जा, नई दिशा और व्यावहारिक सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए। भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना, जिन्हें वहां रानी ह्यो ह्वांग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं।

राजनयिक स्तर पर भारत और दक्षिण कोरिया ने वर्ष 1973 में औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में लगातार प्रगति हुई है। वर्ष 2010 में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्ज़ा दिया गया और बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों देश एक-दूसरे को दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं। उच्च स्तरीय यात्राएँ, विदेश मंत्री स्तर की बैठकें, व्यापारिक संवाद और रक्षा वार्ताएँ इन संबंधों को लगातार मजबूत कर रही हैं। आर्थिक क्षेत्र में दक्षिण कोरिया भारत के लिए महत्त्वपूर्ण साझेदार है। दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से मजबूत और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश है, जबकि भारत विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। द्विपक्षीय व्यापार हाल के वर्षों में बढ़ा है और लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है। हालांकि यह क्षमता की तुलना में अभी भी कम है। भारत का दक्षिण कोरिया के साथ व्यापार घाटा भी चिंता का विषय बना हुआ है।

दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनियाँ भारत में लंबे समय से निवेश कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल निर्माण, स्टील, शिप बिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कोरियाई कंपनियों की मजबूत उपस्थिति है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया का निवेश अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और ग्रीन एनर्जी जैसे अभियानों में कोरियाई तकनीक तथा पूंजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।इन सबके बीच कुछ चुनौतियाँ भी हैं। वर्ष 2010 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता यानी सीईपीए लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापार को गति देना था लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं आए। गैर-टैरिफ बाधाएँ, गुणवत्ता मानकों से जुड़े नियम, जटिल नियामक प्रक्रियाएँ, लॉजिस्टिक समस्याएँ और बाजार पहुँच की कठिनाइयाँ व्यापार वृद्धि में रुकावट बनती रही हैं। भारत को अपने निर्यात में विविधता लानी होगी, जबकि दक्षिण कोरिया को भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने होंगे।

आज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़े बदलाव हो रहे हैं। कंपनियाँ केवल चीन पर निर्भरता कम करना चाहती हैं और नए उत्पादन केंद्र खोज रही हैं। यह स्थिति भारत और दक्षिण कोरिया दोनों के लिए अवसर लेकर आई है। दक्षिण कोरियाई कंपनियाँ यदि भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्र स्थापित करती हैं तो उन्हें विशाल बाजार, सस्ती श्रमशक्ति और रणनीतिक स्थिति का लाभ मिलेगा। वहीं, भारत को तकनीक, रोजगार और निर्यात क्षमता में वृद्धि प्राप्त होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, बैटरी निर्माण, ऑटोमोबाइल, रक्षा उत्पादन और जहाज निर्माण ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ सहयोग तेजी से बढ़ सकता है। रणनीतिक दृष्टि से भी दोनों देशों का सहयोग अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र, खुला और समावेशी व्यवस्था का समर्थन करता है। दक्षिण कोरिया भी क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा का समर्थक है। चीन की आक्रामक नीतियाँ, समुद्री मार्गों पर दबाव और क्षेत्रीय तनाव ने कई देशों को नए साझेदार खोजने पर मजबूर किया है। भारत और दक्षिण कोरिया इस संदर्भ में स्वाभाविक सहयोगी बन सकते हैं। हालाँकि दक्षिण कोरिया की सुरक्षा प्राथमिकताएँ थोड़ी अलग हैं। उसका प्रमुख ध्यान उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे और अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन पर केंद्रित रहा है। दूसरी ओर भारत की चिंताएँ चीन, हिंद महासागर, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन से जुड़ी हैं। फिर भी दोनों देशों के हित कई क्षेत्रों में समान हैं। रक्षा उद्योग सहयोग, साइबर सुरक्षा, समुद्री निगरानी, आतंकवाद विरोधी प्रयास और नई सैन्य तकनीकों में संयुक्त कार्य किया जा सकता है।

रक्षा क्षेत्र में दक्षिण कोरिया ने विश्व स्तर पर मजबूत पहचान बनाई है। उसके पास आधुनिक रक्षा उत्पादन क्षमता है। भारत यदि संयुक्त उत्पादन, तकनीकी हस्तांतरण और अनुसंधान सहयोग पर जोर दे तो दोनों देशों को लाभ हो सकता है। भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति और दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता मिलकर नई संभावनाएँ पैदा कर सकती हैं। तकनीक आज अंतरराष्ट्रीय संबंधों का सबसे महत्त्वपूर्ण आधार बन चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5क्क 6क्क सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डिजिटल नवाचार भविष्य की अर्थव्यवस्था तय करेंगे। दक्षिण कोरिया इन क्षेत्रों में अग्रणी देशों में शामिल है, जबकि भारत डिजिटल प्रतिभा, सॉफ्टवेयर क्षमता और स्टार्टअप इकोसिस्टम के कारण तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि दोनों देश ल्लडिजिटल ब्रिजङ्क बनाकर साथ काम करें तो एशिया में तकनीकी नेतृत्व का नया मॉडल सामने आ सकता है। शिक्षा और मानव संसाधन सहयोग भी संबंधों को मजबूत कर सकता है। भारतीय छात्र दक्षिण कोरिया में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। वहीं, कोरियाई छात्र भारत की संस्कृति, इतिहास, योग, आयुर्वेद, सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं।

जानलेवा हो सकती है मलेरिया के इलाज में लापरवाही

योगेश कुमार गोयल

> **मलेरिया एनोफ़ेलीज मादा मच्छर के काटने से होता है, जो प्लाज्मोडियम परजीवी से संक्रमित होता है और जब यह मच्छर किसी को काटता है तो ये परजीवी मानव रक्त में प्रवेश करके लिवर तथा लाल रक्त कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगते हैं और व्यक्ति को बीमार बना देते हैं। इस रोग की गंभीरता परजीवी पर ही निर्भर करती है। मनुष्यों में सबसे आम मलेरिया परजीवी 'प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम' है, जो बीमारी के सबसे घातक रूप के लिए जिम्मेदार है। एनोफ़ेलीज मच्छर वाहक के रूप में कार्य करते हैं, जब वे एक संक्रमित व्यक्ति को काटते हैं और फिर दूसरे व्यक्ति को काटते हैं तो परजीवियों को प्रसारित करते हैं।**

मलेरिया एक गंभीर और कभी-कभी प्राणघातक हो जाने वाली बीमारी है, जो आमतौर पर एक निश्चित प्रकार के मच्छर को संक्रमित करने वाले परजीवी के कारण होती है और इन संक्रमित मच्छरों के काटने से मलेरिया होता है। अमेरिका से करीब 70 साल पहले ही मलेरिया को पूरी तरह खत्म घोषित कर दिया गया था लेकिन अभी भी प्रतिवर्ष दो हजार अमेरिकी इससे संक्रमित होते हैं। भारत में तो हर साल लाखों लोग मलेरिया से संक्रमित होते हैं।

चिंता की स्थिति यह है कि दुनियाभर में मलेरिया से हर साल लाखों लोग मौत के मुंह में समा रहे हैं, जिनमें ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। पांच साल से कम उम्र के बच्चे मलेरिया से असमान रूप से प्रभावित होते हैं, जो मलेरिया से होने वाली कुल मौतों का करीब 82 प्रतिशत है। 2021 में मलेरिया से दुनियाभर में 6.19 लाख लोगों की मौत हुई थी जबकि 2022 में 6.08 लाख लोग मलेरिया के कारण मारे गए और 2024 में मलेरिया से 6.1 लाख मौतें दर्ज की गई। हालांकि मलेरिया ऐसी बीमारी है, जिसकी रोकथाम करके बड़ी संख्या में होने वाली इन मौतों को रोका जा सकता है लेकिन यह दुनियाभर में रोकी जा सकने वाली बीमारी और मृत्यु का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। इसीलिए मलेरिया को लेकर लोगों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 2008 से ही 25 अप्रैल को एक खास विषय के साथ 'विश्व मलेरिया दिवस' मनाया जाता है।

इस वर्ष मलेरिया दिवस की थीम है- 'मलेरिया को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्धः अब हम कर सकते हैं। अब हमें करना ही होगा।' इसका प्रमुख संदेश यही है कि मलेरिया मुक्त विश्व के लक्ष्य को प्राप्त करना है। भेदभाव और कलंक को खत्म करना, स्वास्थ्य संबंधी निर्णय लेने में समुदायों को शामिल करना, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल को उस स्थान के करीब लाना, जहां लोग रहते हैं और काम करते हैं, मलेरिया के खतरे को बढ़ाने वाले कारकों को संबोधित करना, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में मलेरिया नियंत्रण हस्तक्षेप इत्यादि मलेरिया दिवस मनाने के प्रमुख उद्देश्य हैं।

दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि हर किसी को मलेरिया की रोकथाम, पता लगाने और इलाज के लिए गुणवत्तापूर्ण, समय पर और सस्ती सेवाओं का अधिकार तो है लेकिन यह सभी के लिए वास्तविकता नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनियाभर में मलेरिया के बीस करोड़ से भी ज्यादा नए मामले दर्ज किए जाते हैं, जिनमें से कई लाख लोगों की हर साल मौत हो जाती है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि मलेरिया की रोकथाम के मामले में बीते कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति तो हुई है लेकिन मलेरिया के खिलाफ लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और मलेरिया मुक्त विश्व के लक्ष्य को प्राप्त करना अभी भी गंभीर चुनौती है। चिंता का विषय यह भी है कि प्रभावित क्षेत्रों में यह बीमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों और अर्थव्यवस्थाओं पर बड़ा बोझ भी डालती है।

मलेरिया एनोफ़ेलीज मादा मच्छर के काटने से होता है, जो प्लाज्मोडियम परजीवी से संक्रमित होता है और जब यह मच्छर किसी को काटता है तो ये परजीवी मानव रक्त में प्रवेश करके लिवर तथा लाल रक्त कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगते हैं और व्यक्ति को बीमार बना देते हैं। इस रोग की गंभीरता परजीवी पर ही निर्भर करती है। मनुष्यों में सबसे आम मलेरिया परजीवी 'प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम' है, जो बीमारी के सबसे घातक रूप के लिए जिम्मेदार है। एनोफ़ेलीज मच्छर वाहक के रूप में कार्य करते हैं, जब वे एक संक्रमित व्यक्ति को काटते हैं और फिर दूसरे व्यक्ति को काटते हैं तो परजीवियों को प्रसारित करते हैं। जब परजीवी एक बार मानव शरीर के अंदर यकृत में चले जाते हैं तो ये लाल रक्त कोशिकाओं के अंदर गुणन करते हैं, जिससे कई प्रकार के लक्षण पैदा होते हैं। मनुष्यों को मलेरिया के चार मुख्य प्रकार (प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम, प्लाज्मोडियम विवैक्स, प्लाज्मोडियम ओवले और प्लाज्मोडियम मलेरिया) संक्रमित करते हैं। प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम सबसे खतरनाक प्रकार है जबकि मलेरिया के अन्य प्रकार आमतौर पर हल्की बीमारी का कारण बनते हैं।

गंभीर मलेरिया गंभीर एनीमिया, गुर्दे की विफलता, दौरे, कोमा और यहां तक कि मृत्यु जैसी जटिलताओं का कारण भी बन सकता है, खासकर यदि तुरंत निदान और इलाज नहीं किया जाए। हालांकि दुनियाभर में शोधकर्ता मलेरिया को नियंत्रित करने और अंततः ख़त्म करने के लिए टीकों और अन्य नवीन समाधानों पर काम कर रहे हैं लेकिन इसकी रोकथाम के मुख्य उपायों में उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में मच्छरदानी, कीट विकर्षक और मलेरिया-रोधी दवाओं का उपयोग करना शामिल है। जटिलताओं और मृत्यु को रोकने के लिए प्रभावी मलेरिया-रोधी दवाओं के साथ शीघ्र निदान और उपचार महत्वपूर्ण है।

मलेरिया होने पर आमतौर पर तेज बुखार होता है, जो 103 से 105 डिग्री तक हो सकता है। सिरदर्द, बदन दर्द, घबराहट, अत्यधिक पसीना आना, जी मिचलाना, उल्टी होना, अत्यधिक ठंड लगना, कमजोरी इत्यादि मलेरिया के अन्य प्रमुख लक्षण हैं। इन लक्षणों को लंबे समय तक नजरअंदाज करना भी खतरनाक हो सकता है। वैसे तो मलेरिया के लक्षण प्रायः 24 से 48 घंटे में ही नजर आ सकते हैं लेकिन कई बार लक्षण सामने आने में ज्यादा समय भी लग सकता है। मलेरिया की जांच से ही पता चल पाता है कि मरीज किस तरह के मलेरिया से ग्रसित है और उसी के आधार पर विभिन्न दवाओं से उसका इलाज शुरू किया जाता है। साधारण मलेरिया होने पर सही इलाज से मरीज 3-5 दिनों में ठीक हो सकता है लेकिन यदि सीवियर फाल्सीपेरम मलेरिया हुआ तो समय पर और सही इलाज नहीं कराने पर मरीज की मौत भी हो सकती है।

इसलिए बेहद जरूरी है कि मलेरिया की जांच और इलाज में कोताही न बरतें। गर्मी और मानूसन के दौरान मच्छरों की संख्या बहुत बढ़ जाती है, इसलिए आमतौर पर मलेरिया इन्हीं मौसम में सबसे ज्यादा होता है। वैसे मलेरिया के मच्छर अधिकांशतः उन्हीं जगहों पर पनपते हैं, जहां गंदगी होती है या गंदा पानी जमा होता है।

अमेरिका-भारत अंतरिक्ष सहयोग से अब व्यावसायिक साझेदारियां

ज़हूर हुसैन बट, अमेरिकी दूतावास

> **समन्वय से क्रियान्वयन तक- रणनीतिक समन्वय से व्यावसायिक क्रियान्वयन की ओर यह बदलाव उन लोगों के लिए पहले से ही स्पष्ट है जो इस जुड़ाव के केंद्र में काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय एडिमिनिस्ट्रेशन के स्पेस कॉमर्स कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध विशेषज्ञ रोज़ क्रोशियर इस फोरम को नीतिगत गति और उद्योग की तीव्र वृद्धि दोनों के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में देखती हैं। इस फोरम को प्रेरित करने वाले कई कारक थे लेकिन दो विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। क्रोशियर कहती हैं, भारत के निजी अंतरिक्ष इकोसिस्टम का तेज़ी से परिपक्व होना और अमेरिकी तथा भारतीय नेतृत्व के बीच अभूतपूर्व रणनीतिक समन्वय। वह बताती हैं कि भारत का अंतरिक्ष स्टार्ट-अप इकोसिस्टम, जो अब 400 से अधिक कंपनियों का हो चुका है, उसने सबऑर्बिटल लॉन्च और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग जैसे क्षेत्रों में ठोस उपलब्धियां हासिल की हैं।**

अमेरिका-भारत अंतरिक्ष सहयोग का नया चरण आकार ले रहा है जो नीतिगत संवाद से कम और निजी क्षेत्र की सक्रियता से अधिक प्रेरित है। यह बदलाव बेंगलुरु में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जहां दोनों देशों के नीति-निर्माता, उद्योग जगत के लीडर और उद्यमी व्यावसायिक अंतरिक्ष सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एकत्र हुए। अमेरिकी कंसुलेट, चेन्नई द्वारा आयोजित और यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के सहयोग से फरवरी 2026 में आयोजित अमेरिका-भारत स्पेस बिज़नेस फोरम में दोनों देशों से 200 से अधिक सरकारी और उद्योग प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो व्यावसायिक संबंधों के विस्तार में गहरी रुचि को दर्शाता है। यह फोरम भारत के लिए पहले अंतरिक्ष क्षेत्र को समर्पित अमेरिकी व्यापार मिशन का प्रमुख आयोजन भी था, जिसे अमेरिकी वाणिज्य विभाग और बिज़नेस काउंसिल फॉर इंटरनेशनल अंडरस्टैंडिंग द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें 14 प्रमुख अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनियों के 23 वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत का दौरा किया।

समन्वय से क्रियान्वयन तक- रणनीतिक समन्वय से व्यावसायिक क्रियान्वयन की ओर यह बदलाव उन लोगों के लिए पहले से ही स्पष्ट है जो इस जुड़ाव के केंद्र में काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय एडिमिनिस्ट्रेशन के स्पेस कॉमर्स कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध विशेषज्ञ रोज़ क्रोशियर इस फोरम को नीतिगत गति और उद्योग की तीव्र वृद्धि दोनों के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में देखती हैं। इस फोरम को प्रेरित करने वाले कई कारक थे लेकिन दो विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। क्रोशियर कहती हैं, भारत के निजी अंतरिक्ष इकोसिस्टम का तेज़ी से परिपक्व होना और अमेरिकी तथा भारतीय नेतृत्व के बीच अभूतपूर्व रणनीतिक समन्वय। वह बताती हैं कि भारत का अंतरिक्ष स्टार्ट-अप इकोसिस्टम, जो अब 400 से अधिक कंपनियों का हो चुका है, उसने सबऑर्बिटल लॉन्च और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग जैसे क्षेत्रों में ठोस उपलब्धियां हासिल की हैं। उनके अनुसार, इन विकासों ने अमेरिकी निजी क्षेत्र को भारत को एक प्रमुख साझेदार के रूप में पहचानने के लिए प्रेरित किया है।

क्रोशियर इस प्रगति को व्यापक ट्रस्ट पहल के संदर्भ में रखती हैं, जो ल्लदशकों से चले आ रहे सरकार-से-सरकार सहयोग से एक उत्पादक व्यावसायिक साझेदारी की ओर संक्रमण को दर्शाती है। यदि उस ढांचे ने आधार तैयार किया तो वह जोड़ती हैं, ल्लयह फोरम व्यावसायिक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है, जो नीतिगत अनुकूल परिस्थितियों को उद्योग की कार्रवाई और सीमा-पार निवेश में परिवर्तित करता है।

यूएसआईएसपीएफ में भारत के लिए प्रबंध निदेशक निवेदिता मेहरा कहती हैं कि अमेरिका-भारत अंतरिक्ष संबंध अब नीतिगत संवाद से आगे बढ़ चुके हैं और क्रियान्वयन के लिए तैयार हैं। कुछ वर्ष पहले, इस तरह की चर्चा मुख्य रूप से कॉन्फ्रेंस रूम और संयुक्त बयानों तक सीमित थी,ङ्क वह कहती हैं। ल्लआज, हम संयुक्त मिशनों, साझा प्लेटफार्मों और वास्तविक व्यावसायिक साझेदारियों को आकार लेते हुए देख रहे हैं। मेहरा जोड़ती हैं कि यह फोरम ल्लनिवेश को खोलने, वाणिज्यिक जुड़ाव को विस्तार देने और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण के निर्माण के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है जो दोनों देशों के लिए स्थायी आर्थिक मूल्य पैदा करता है।

परस्पर पूरक शक्तियों का लाभ उठाना- क्रोशियर इस मिलन को एक नए बाज़ार के उद्भव के रूप में वर्णित करती हैं। अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय के असिटेंट सेक्रेटरी टेलर जॉर्डन के वक्तव्य का उल्लेख करते हुए वह कहती हैं, ल्लहम अब केवल समानांतर अंतरिक्ष कार्यक्रमों वाले दो राष्ट्र नहीं हैं; हम दो ऐसे इकोसिस्टम हैं जो वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को परिभाषित करने के लिए एक साथ बुने जा रहे हैं। अमेरिका उन्नत प्रौद्योगिकियां, गहरे वेंचर कैपिटल नेटवर्क और परिपक्व व्यावसायिक अंतरिक्ष इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करता है। वह कहती हैं, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, विश्वस्तरीय किफायती इंजीनियरिंग और तेजी से बढ़ता विनिर्माण आधार प्रदान करता है। स्पेस बिज़नेस फोरम जैसी पहलें इन क्षमताओं के बीच पुल का काम करती हैं, जिससे प्रत्यक्ष सहयोग के अवसर पैदा होते हैं।

क्रोशियर बिज़नेस-टू-बिज़नेस मैचमेकिंग सत्रों को रेखांकित करती हैं, जहां 14 अमेरिकी कंपनियों के अधिकारियों ने भारत के स्टार्ट-अप्स के साथ संभावित सौदों और संयुक्त उपक्रमों पर चर्चा की। ल्लभारतीय सरकार, विशेष रूप से इसरो और इन-स्पेस की भागीदारी शानदार रही,ङ्क वह कहती हैं, ल्लजहां अंतरिक्ष व्यवसाय के लिए एक 'सक्षम वातावरण' बनाने पर चर्चा केंद्रित रही। मेहरा उद्योग के दृष्टिकोण से पूरक विचार प्रस्तुत करती हैं और ल्लदोनों पक्षों में वास्तविक तात्कालिकता और महत्वाकांक्षा की भावनाङ्क की ओर संकेत करती हैं। वह कहती हैं कि अमेरिकी कंपनियां भारत के विस्तारित निजी अंतरिक्ष इकोसिस्टम के साथ गंभीरता से जुड़ने के लिए तैयार होकर आईं, जबकि भारतीय कंपनियां तेजी से निर्यात के लिए तैयार हो रही हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकृत होने की दिशा में अग्रसर हैं। वह पृथ्वी अवलोकन, जियोस्पेशियल एनालिटिक्स, उपग्रह निर्माण और डाउनस्ट्रीम अनुप्रयोगों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में मज़बूत मिलन की भी ओर इशारा करती हैं।

अवसर से क्रियान्वयन तक- जैसे-जैसे जुड़ाव गहरा होता जा रहा है, क्रोशियर और मेहरा दोनों व्यापारिक रणनीति को नियामक ढांचे के साथ समन्वित करने की आवश्यकता पर जोर देती हैं। क्रोशियर कंपनियों को जल्दी कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। नीतिगत पूर्णता की प्रतीक्षा न करें; अभी से अपने संबंधों का निर्माण शुरू करें, वह कहती हैं। बौद्धिक संपदा से जुड़े मुद्दों और निर्यात नियंत्रण के अंतर जैसी चुनौतियों को स्वीकार करते हुए, वह बताती हैं कि दोनों सरकारें उद्योग की जरूरतों के प्रति तेजी से उत्तरदायी हो रही हैं। जो कंपनियां अभी विश्वास, गुणवत्ता और अनुपालन मानकों के निर्माण में निवेश करती हैं, वे उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में होंगी,ङ्क मेहरा कहती हैं। वह उद्योग विकास को समर्थन देने में निरंतर संस्थागत जुड़ाव की भूमिका पर भी प्रकाश डालती हैं। सिविल स्पेस जॉइंट वर्किंग ग्रुप जैसे प्रयास द्विपक्षीय संवाद को आगे बढ़ाते रहते हैं, जबकि इंडस-एक्स और कॉम्पैक्ट जैसे ढांचे से नवप्रवतर्न संबंधों को मजबूत करने और निकट भविष्य में व्यावसायिक क्रियान्वयन को मदद की उम्मीद है।

अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के भविष्य को आकार देना- क्रोशियर कहती हैं कि सार्थक प्रगति में बेहतर एकीकृत आपूर्ति श्रृंखलाएं; समन्वित, स्पष्ट रूप से समझे जाने वाले और पूर्वानुमान हो सकने वाले नियम और अंतरिक्ष में तथा पृथ्वी पर साझा अंतरिक्ष इंफ्रास्ट्रक्चरङ्क शामिल होगी। वह जोड़ती हैं कि सफलता तब स्पष्ट होगी जब सीमा-पार सहयोग घरेलू प्रयासों के समान गति और दक्षता के साथ आगे बढ़ सकेगा। मेहरा इस बात पर जोर देती हैं कि वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का भविष्य सरकारों और उद्योग के बीच समन्वय पर निर्भर करेगा।

प्रीपेड मीटरों का जमकर विरोध, मीटर उखाड़ उपखण्ड कार्यालय में रखे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के मौदहा कस्बे में बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं के यहां पर लगाए गए इलेक्ट्रानिक मीटरों के स्थान पर स्मार्ट मीटरों को बिना उपभोक्ताओं को विश्वास में लिए प्रीपेड मीटरों में बदलने और इन मीटरों में आ रही बेतहाशा रीडिंग के विरोध में जहां पूरे प्रदेश में प्रदर्शन हो रहे हैं तो वहीं कस्बे में भीम आर्मी के संदीप बाल्मीकि, सभासद रमजानी, फीरोज पठान, याकूब गड्डी सहित सैकडों महिला पुरुष उपभोक्ताओं ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कस्बे की गोल मार्केट से मलीकुआ चौराहा होकर प्रदर्शन कर उपखण्ड कार्यालय में धरना शुरू कर दिया था। इस दौरान ऊर्जा मंत्री, उपखण्ड अधिकारी, जेई और बिजली विभाग मुर्दाबाद के जमकर नारे लगाए गए ।

शुक्रवार को पूर्वी तरौस की ओर से सैकडों महिलाएं अपने घरों के स्मार्ट मीटर उखाड़ कर सडकों में प्रदर्शन करती दिखाई दी। भारी संख्या में महिलाओं द्वारा स्मार्ट मीटर उखाडने की सूचना मिलते ही बिजली विभाग के साथ एल. आई यू. एस. आई. यू. लोकल पुलिस सहित अन्य सरकारी एजेंसियों के हाथ पांव फूल गए और आनन फानन में उपखण्ड कार्यालय को छावनी में तब्दील कर दिया गया। लेकिन पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए महिलाओं को उपखण्ड कार्यालय तक आसानी से जाने दिया। प्रदर्शन कारी महिलाओं द्वारा उपखण्ड कार्यालय पहुंच कर उखाडे गए मीटरों को कार्यालय प्रांगण में फेंक दिया। कल तक उपभोक्ताओं से बचने वाले उपखण्ड अधिकारी, उपजिलाधिकारी कर्णवीर सिंह, क्षेत्राधिकारी राजकुमार पाण्डेय भी मौके की नजाकत को देखते हुए उपखण्ड कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन कारियों से घण्टों तक लम्बी बातचीत की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि, जब तक प्रीपेड मीटर नहीं बदले जाते तबतक बाइपास बिजली सप्लाई की जाए और पुरानी दरों पर बिल लिया जाए तथा इस अवधि में विजिलेंस द्वारा आम उपभोक्ताओं को परेशान न किया जाए। वहीं बात बनती न देख पुलिस प्रशासन संदीप बाल्मीकि, सभासद रमजानी, याकूब गड्डी सहित अन्य प्रदर्शनकारियों को कोतवाली ले गई है। वहीं कस्बे के लोगों की माने तो अगर पुलिस ने प्रदर्शन कारियों का दमन करने की कोशिश की तो आंदोलन और तेज हो सकता है। फिलहाल गेंद सरकार और उपभोक्ताओं के बीच में है, अब कौन गेंद को पहले हिट करता है यह समय के गर्भ में छिपा हुआ है।

सड़क हादसे में युवक की मौत, पत्नी सहित मासूम बेटी हुई घायल

बांदा। तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। जिस पर युवक की मौत हो गई। वही उसकी पत्नी तथा मासूम बेटी घायल हो गई। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस ने शव को पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार मरका थाना क्षेत्र के इगुवा गांव के निवासी शिवबाबू यादव उम्र 35 वर्ष पुत्र कामता यादव अपनी 30 वर्षीय पत्नी कजेलिया और 6 वर्षीय बेटी इस्मा के साथ रिस्तेदारो के यहां दहिनवारा संस्कार में शामिल होने कमासिन थाना क्षेत्र के नारायण गांव गया था। कार्यक्रम निपटाने के बाद तीनो लोग बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही वह नारायण पुर गांव से निकले,तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे तीनो लोग गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद वाहन समेत चालक मौके से फरार हो गया। वहां से गुजर रहे राहगीरो ने तीनो को उठाकर पीएचसी कमासिन में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरो ने देखने के बाद शिव बाबू को मृत घोषित कर दिया। वहीं मासूम तथा पत्नी का इलाज जारी है।

गेहूँ खरीद केन्द्रां से किसानों को किसी भी दशा में न करें वापस: आयुक्त

- बैठक से गायब रहे एफसीआई के प्रबंधक, आयुक्त ने किया जवाब तलब
- आयुक्त ने की गेहूं खरीद की समीक्षा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। आयुक्त ने गेहूँ खरीद व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया है कि किसानों को किसी भी दशा में वापस न करे। अगर बिना किसी कारण के किसानों को वापस किया तो संबंधित केंद्र प्रभारियों की खैर नहीं होगी।

आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल अजीत कुमार ने शुक्रवार को मण्डल में संचालित गेहूँ खरीद व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। आयुक्त ने निर्देश दिए कि गेहूँ खरीद कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलताअथवा अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कहा कि सभी कृषकों से गेहूँ की खरीद सुनिश्चित की जाए। तथा किसी भी किसान को केवल फार्मर रजिस्ट्री के अभाव में वापस न किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को सुविधा प्रदान करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। आयुक्त ने निर्देश दिए कि मण्डल के सभी गेहूँ क्रय केन्द्र समय से खोले जाएं तथा केन्द्र प्रभारी स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर क्रय कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी केन्द्रों पर किसानों के लिए पेयजल,छाया,बैठने की व्यवस्था सहित आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर बल दिया। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि गेहूँ की खरीद शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (डैच) पर ही की जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। साथ ही समस्त जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) को निर्देशित किया गया कि वह अपने-अपने जनपदों के क्रय केन्द्रों का नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अनुश्रवण सुनिश्चित करें। आयुक्त ने यह भी कहा कि सभी क्रय केन्द्रों पर गेहूँ के सुरक्षित भंडारण एवं समयबद्ध परिवहन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही समस्त आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता प्रत्येक केन्द्र पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सम्भागीय खाद्य नियंत्रक एवं उपायुक्त सहकारिता को निर्देशित किया गया कि वे स्वयं भी क्रय केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करें तथा पाई गई कमियों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित कराएं।

उच्च प्राथमिक विद्यालय अमलोर स्कूल में भ्रष्टाचार का आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिले के तिंदवारी ब्लाक से ग्राम अमलोर के उच्च प्राथमिक विद्यालय की हेडमास्टर पर गंभीर वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। ग्राम प्रधान ने खुद जिलाधिकारी को पत्र लिखकर हेडमास्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और तत्काल तबादले की मांग की है।

ग्रामीण सहित प्रधान का आरोप है कि जांच में दोषी पाए जाने के बावजूद अब तक कोई एक्शन नहीं हुआ। बांदा के तिंदवारी ब्लॉक स्थित ग्राम अमलोर के उच्च प्राथमिक विद्यालय में हेडमास्टर श्रीमती किरन शुक्ला पर स्कूल के संसाधनों के दुरुपयोग और घोर वित्तीय अनियमितता के आरोप हैं। ग्राम पंचायत अमलोर के प्रधान भूपेन्द्र सिंह उर्फ गोरे ने 24 अप्रैल को जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा है। पत्र में प्रधान ने लिखा है कि पिछले तीन सालों में स्कूल को मिली 2 लाख 25 हजार रुपये की कंपोजिट ग्रांट का हिसाब-किताब गड़बड़ है। बिल तो मौजूद हैं, लेकिन बिल के मुताबिक स्कूल में न तो सामग्री दिखती है और न ही कोई निर्माण कार्य हुआ है।शिकायत में सबसे बड़ा सवाल जांच में देरी और कार्रवाई न होने पर उठाया गया है। प्रधान के मुताबिक 15 दिसंबर 2025 को पहली शिकायत की गई थी। इसके बाद 20 जनवरी 2026 को जांच टीम स्कूल पहुंची। जांच रिपोर्ट 10 अप्रैल 2026 को पोर्टल पर अपलोड भी कर दी गई। लेकिन तीन महीने बीत जाने के बाद भी हेडमास्टर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

इतना ही नहीं, 9 अप्रैल 2026 को डीएम के निर्देश पर एसडीएम पैलानी की टीम ने भी जांच की। प्रधान का दावा है कि इस टीम ने भी शिकायत के हर बिंदु पर हेडमास्टर किरन शुक्ला को दोषी पाया। बावजूद इसके न तो तबादला हुआ और न ही कोई विभागीय कार्रवाई।प्रधान भूपेन्द्र सिंह का आरोप है कि पूर्व में भी कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन हर बार मामले को दबा दिया गया। जांच में विलंब का फायदा उठाकर लिपापोती की जा रही है। प्रधान ने यह भी आरोप लगाया कि हेडमास्टर के कारण रोज स्कूल का माहौल खराब हो रहा है। इसकी सूचना बीएसए और बीईओ को फोन पर दी जा चुकी है। अब प्रधान ने जिलाधिकारी से मांग की है कि श्रीमती किरन शुक्ला के खिलाफ तत्काल विभागीय कार्रवाई की जाए और उनका अमलोर से तबादला किया जाए, ताकि स्कूल में पढ़ाई का माहौल सुधर सके।

शिक्षा ही भविष्य की सबसे बड़ी ताकत है: नसीम उद्दीन सिद्दीकी

- हेल्पिंग द मैनकाइंड फाउंडेशन की तरफ से पूर्व मंत्री ने बच्चों को किया बैग और स्टेशनरी का वितरण
- शहर में गमगीन लोगों से मिलकर भावुक हुए नसीम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। समाजवादी पार्टी में शामिल होने के बाद पहली बार अपने गृह जनपद आये विकास पुरूष पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने लगातार तीसरे दिन लोगों से मिलकर उनके दुख को अपना दुख मानते हुए भावुक हो गये। दिवंगत हुए लोगों के परिजनों सहित नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने पार्टीजनों और शहर के मोअज्जि लोगों से मुलाकात की। इसके अलावा हेल्पिंग द मैनकाइंड फाउंडेशन बांदा संस्था की तरफ से पूर्व मंत्री नसीम उद्दीन सिद्दीकी ने स्कूली बच्चों में बैग एवं स्टेशनरी आदि का वितरण करते हुए लोगों को शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया।

अपने भ्रमण कार्यक्रम के तीसरे दिन पूर्व मंत्री नसीम उद्दीन सिद्दीकी ने हेल्पिंग द मैनकाइंड फाउंडेशन अलीगंज बांदा स्थित संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से भेट की संस्था के पदाधिकारियों ने पूर्व मंत्री नसीम उद्दीन सिद्दीकी साहब का गर्मजोशी एवं फूल मालाओं से स्वागत किया उनके साथ में संस्था के संरक्षक हसन उद्दीन सिद्दीकी साहब,जिला अध्यक्ष मधुसूदन कुशवाहा,मुमताज अली,वसीम उल्लाह एड0,जुगनू पूर्व सभासद आदि उपस्थित रहे। शिक्षा के नवीन सत्र प्रारंभ होने पर हेल्पिंग द मैनकाइंड फाउंडेशन बांदा संस्था की टीम ने स्कूलों बच्चों को शिक्षा सामग्री,स्कूल बैग आदि पूर्व मंत्री नसीम उद्दीन सिद्दीकी के हाथों से वितरित कराए जिसको पाकर बच्चे फूले नहीं समा रहे थे स्कूल किट, बैग आदि पाकर बच्चों के चेहरों पर खिली मुस्कान ने कार्यक्रम की सफलता को और भी विशेष बना दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री नसीम उद्दीन सिद्दीकी साहब उपस्थित रहे एवं उन्होंने फाउंडेशन के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कदम न केवल बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करते हैं बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव भी लाते हैं। आयोजन समिति हेल्पिंग द मैनकाइंड फाउंडेशन संस्था के पदाधिकारियों में संस्था के अध्यक्ष नदीम उल्लाह खान,उपाध्यक्ष जावेद खान,उपाध्यक्ष मोहम्मद फरहान, सचिव उमर अली,वरिष्ठ सहयोगी सुनील सक्सेना,उपाध्यक्ष कलीम उल्लाह,सलाहकार आरिफ खान, संगठन मंत्री शेख रिज़वान उपसचिव गफ्फार खान,उपसचिव आसिफ मसूदी,शाखा प्रमुख मर्दननाका मोहम्मद नफीस,महामंत्री शहबाज खान हनी,क़ानूनी सलाहकार एड0समीर उल हक, शाखा प्रमुख खाईपार अली खान,शाखा प्रमुख काशिफ खान,शाखा प्रमुख साजिद अली,शाखा प्रमुख इरशाद हुसैन, शाखा प्रमुख मोहम्मद अज़हर, सलाहकार शिफात खान,कोषाध्यक्ष अनस उल्ला खान,शाखा प्रमुख सनी,शाखा प्रमुख हसीब,शाखा प्रमुख उस्मान,शाखा प्रमुख अज़हर, कार्यालय प्रभारी इमरान,सदस्य उरूज,शादाब हुसैन,विक्की खान आदि सक्रिय रूप से सहयोगी रहे।

कार्यक्रम के अंत में संस्था के अध्यक्ष नदीम उल्लाह खान ने संस्था के सामाजिक कार्यों से पूर्व मंत्री नसीम उद्दीन सिद्दीकी साहब को अवगत कराया एवं पूर्व मंत्री एवं सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।इसके अलावा पूर्व मंत्री श्री सिद्दीकी ने समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष कुतैबा जमा खान के आवास पर जाकर उनसे मुलाकात की। इस मौके पर सपाईयों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके अलावा सपा के संस्थापक सदस्य रहे अतीक रहमानी से मुलाकात की।

बांदा में मानव एकता दिवस के अवसर पर निरंकारी भक्तों ने 70 यूनिट किया रक्तदान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। शुक्रवार को मानव एकता दिवस के अवसर पर संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में सत्संग समाप्ति के बाद एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन प्रायः 10 बजे से 2 बजे तक क्षेत्रीय संचालक डा. सुरेश सिंह की देखरेख में संपन्न हुआ। इस रक्तदान शिविर में माननीय राजमंत्री रामकेश निषाद एवं अपर जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी उपस्थित रहे। जिसमें निरंकारी सेवादल एवं श्रद्धालु भक्तों द्वारा 70 यूनिट रक्तदान उत्साह पूर्वक किया गया। जिसमे जिला चिकित्सालय बांदा ब्लड बैंक टीम के अनुभवी चिकित्सक एवं उनकी टीम ने रक्तदाताओं की समुचित स्वास्थ्य जांच के उपरांत सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से रक्तदान की प्रक्रिया सम्पन्न कराई। संपूर्ण आयोजन के दौरान स्वच्छता, सतर्कता एवं सेवा-भाव का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे यह पहल केवल जीवनदायिनी सेवा तक सीमित न रहकर मानवता, करुणा और उत्तरदायित्व के उच्चतम आदर्श का प्रतीक बनकर उभरी।

' जब हृदय में करुणा, प्रेम और एकत्व की दिव्य चेतना जागृत होती है, तब मानव अपने सीमित स्वार्थों से ऊपर उठकर सम्पूर्ण सृष्टि के कल्याण का सशक्त माध्यम बन जाता है। परोपकार, करुणा और परमार्थ जैसे अलौकिक मूल्यों से प्रकाशमान यह पावन अवसर उस दिव्य अनुभूति का प्रतीक बना।

भीषण गर्मी को लेकर प्रशासन हाई अलर्ट

- तपते बांदा में काम के समय में बदलाव की बड़ी अपील

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। बांदा जिले में भीषण गर्मी के कहर लगातार जारी है पिछले लगभग एक हफ्ते से यहां का तापमान 45 डिग्री के आसपास बना बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार बांदा जनपद प्रदेश का ही नहीं बल्कि देश के सबसे गर्म जनपदों में शामिल है। जिसको लेकर योगी सरकार भी संवेदनशील नजर आ रही हैं। भीषण गर्मी की इस मार से हर नागरिक, विशेषकर पसीने से तरबतर रहने वाले मज़दूरों की सुरक्षा सुनिश्चित रहे इसको लेकर सरकार चिंतित है। योगी सरकार ने बांदा समेत बुंदेलखंड के जनपदों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि गर्मी से बचाव को लेकर लोगों को लगातार जागरूक किया जाए साथ ही बीमार होने की दशा में अस्पतालों में गर्मी से बचाव को लेकर जो भी दवाएं व अन्य व्यवस्थाएं हैं उनको भी दुरुस्त रखा जाए। खासकर मजदूर वर्ग के लोगों को लेकर योगी सरकार चिंतित है और इसको लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने जनपदों में दोपहर में मजदूरों को काम न करने को लेकर जागरूक किया जाए। जिसको लेकर बांदा जिला प्रशासन में दोपहर 12:00 बजे से लेकर 4:00 बजे तक लोगों से धूप में बाहर न निकलने और विशेषकर धूप में मजदूरों से काम न करने की अपील की है।

योगी सरकार का यह कदम दर्शाता है कि विकास की धुरी माने जाने वाले श्रमिकों के स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा उनके लिए सर्वोपरि है। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के इस दौर में किसी भी श्रमिक के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निर्माण स्थलों पर छायादार स्थान और शीतल जल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। गर्मी की विभीषिका से निपटने के लिए बांदा जिला आपदा कंट्रोल रूम को भी 24 घंटे अलर्ट मोड पर रखा गया है। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता पहुंचाने के लिए चिकित्सा विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है। योगी सरकार न केवल इस प्राकृतिक चुनौती पर नज़र रखे हुए है बल्कि राहत और सुरक्षा के अपने संकल्प के साथ बांदा के तपते रास्तों पर मज़दूरों का संबल बनकर खड़ी है। अपर जिलाधिकारी कुमार धर्मेंद्र ने बताया कि बांदा में 20 अप्रैल से भीषण गर्मी पड़नी शुरू हो गई है और यहां का तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया है। जिसको लेकर हम लोगों की तरफ से हम लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। जिसमें लोगों से अनुरोध किया गया है कि दोपहर 12:00 से लेकर शाम 4:00 बजे तक अगर जरूरत न हो तो घरों से न निकलें।

संक्षिप्त समाचार

फात्मा गर्ल्स इंटर कालेज का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

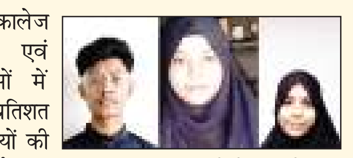

बांदा। फात्मा गर्ल्स इंटर कालेज खुटला बाँदा हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं में विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय के कुशल नेतृत्व और सतत प्रेरणा के लिए प्रधानाचार्या राफिया ख़ानम का विशेष योगदान भी सराहनीय रहा है। जिनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विशेष रूप से विद्यालय मे छात्र मोहम्मद अयान ने 513/600 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान , तथा छात्रा अलसिफा खातून ने 506/600 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान, और वरीसा खातून ने 495/600 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया है। इसी क्रम मे इंटर मीडियट मे रुमऐशा खातून ने प्रथम स्थान, तस्मीया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया उनकी यह उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है और अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत भी है।

16 नये चारपहिया पीआरवी वाहनों को एसपी ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

बांदा। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल द्वारा जनपद बांदा को प्राप्त 16 नये चारपहिया पीआरवी वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया । गौरतलब को कि जनपद में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा आपाताकालीन पुलिस सेवाओं को और प्रभावी तथा बेहतर बनाने हेतु डायल यूपी-112 मुख्यालय से जनपद बांदा को 16 नये चारपहिया वाहन प्राप्त हुए हैं जिनमें 03 इनोवा तथा 13 स्कार्पियो हैं । पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक बांदा श्री पलाश बंसल द्वारा हरी झण्डी दिखाते हुए पीआरवी वाहनों को रवाना किया गया । डायल यूपी-112 में इन नये पीआरवी वाहनों के शामिल होने से जनपद बांदा में कानून व्यवस्था, आपातकालीन पुलिस सेवाएं और बेहतर तथा प्रभावाशाली होगी । नये पीआरवी वाहनों के आने से तैनात पीआरवी वाहनो की सघनता में वृद्धि होगी जिससे रिस्पांस टाइम काफी कम करने में मदद् मिलेगी ।

पत्नी सहित ससुरालियों की मारपीट से युवक ने लगाई फांसी, मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के मौदहा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ढीहाडेरा में पत्नी सहित ससुरालियों द्वारा की गई मारपीट से आहत युवक ने फांसी लगा ली। जिसे परिजनों द्वारा गंभीर हालत में इलाज के लिए मौदहा के सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां डाक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शुक्रवार को शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ढीहाडेरा निवासी संतोष (30) पुत्र जाली वर्मा ने अपने घर में फांसी लगा ली। जिसे माँ कुंवर बाई सहित अन्य परिजन इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल लेकर आए। जहां डाक्टरों ने संतोष को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। मृतक की माँ कुंवर बाई सहित अन्य परिजनों का आरोप है कि, इसकी पत्नी कोमल लगभग बारह दिन पहले मायके लरौंद गई थी। तभी से यह उसे बुला रहा था, उसके नहीं आने पर यह लरौंद गया था। जहां पत्नी सहित अन्य ससुरालियौं ने उसे बहुत मारा पीटा था। जिनसे बचकर वह अपने दूसरे रिश्तेदारों के यहां भूसा में घुस गया, तो वहां से भी निकाल कर बेरहमी से पीटा था। और थाने में झूठी दहेज़ की शिकायत की थी। जिसके चलते इसने फांसी लगा ली।

इस सम्बन्ध में कोतवाली प्रभारी संतोष सिंह ने शुक्रवार को बताया कि, शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बाकी अगर तहरीर मिलती है तो कार्यवाही की जाएगी। मृतक अपने परिवार में पांच भाईयों में सबसे छोटा था और मजदूरी कर परिवार चलाता था। अभी एक साल पहले उसकी शादी हुई थी। इसलिए अभी तक कोई संतान नहीं है।

विधायक ने बिरखेरा–मुंडेरा मार्ग एवं पुल का किया भूमि पूजन

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के सुमेरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बिरखेरा में कडोरन नदी पर 417.27 लाख की लागत से बनने वाले रपटे का शुक्रवार को सदर विधायक ने भूमि पूजन कर कार्य को शुभारम्भ किया। इसका निर्माण लोक निर्माण विभाग करायेगा। इस रपटे का निर्माण होने से एक दर्जन गांवों के लोगों को लाभ मिलेगा। रपटा बनने के बाद से सिसोलर कैथी मार्ग से सीधे जुड़ जाएगा। लोगों को इसके बनने से बांदा जनपद जाने में सहूलियत मिलेगी और करीब 30 किलोमीटर के अतिरिक्त चक्कर से निजात मिलेगी। सदर विधायक डॉ मनोज कुमार प्रजापति के प्रयास से बिरखेरा में कडोरन नदी में रपटे के साथ बिरखेरा से सिसोलर मार्ग तक सड़क निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। भूमि पूजन के दौरान ग्राम प्रधान अशोक कुमार यादव, अजय पाल साहू, पूर्व प्रधान बिहारी लाल प्रजापति, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता सत्यपाल सिंह, खंड विकास अधिकारी रिजवान अहमद, एडीओ पंचायत सुरेश कुमार, पंचायत सचिव संजय सिंह आदि मौजूद रहे।

हज यात्रियों की ट्रेनिंग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाँदा। हज यात्रियों के लिए एक दिवसीय हज ट्रेनिंग का प्रोग्राम मदीना सोसाइटी हज व उमरह की जानिब से शहर के मोहल्ला छिपटहरी में सम्पन्न हुआ जिसमें मुख्य हज ट्रेनर के रूप में अल्हाज गुलाम मुस्तफा (हज ट्रेनर उत्तर प्रदेश) ने प्रोजेक्टर के ज़रिए हज प्रशिक्षण दिया। हज के दौरान हज सफर से लेकर सारे अरकान बारीकी से समझाये गए।काबा शरीफ के मॉडल के जरिए तवाफ का रिहर्सल भी कराया और एहराम की पाबंदियों ,हज के फ़र्ज़ वाजिबात को भी अदा करने का आसान तरीका बताया गया।प्रशिक्षण में हज कमेटी ऑफ इंडिया की गाइड लाइन की भी जानकारी दी गई।हज यात्रियों को बताया गया कि किसी भी तरह का नशीला पदार्थ ,खमीर,या प्रतिबंधित सामग्री न ले जाएं अन्यथा सऊदी पुलिस तत्काल कार्यवाही कर देगी।हज यात्रियों को 20-20 किलो के दो बैगेज यानि एक हज यात्री को 40 किलो लगेज और 07 किलो को हैंड बैग की अनुमति है।बाँदा से 26 चित्रकूट से 02 लोग हज यात्रा पर जा रहे हैं। तथा 03 हज यात्री प्राइवेट हज ग्रुप से जा रहे हैं ,कुल 15 महिला और 16 पुरुष(31 लोग) बांदा चित्रकूट से जा रहे हैं।जिनमें से 06 लोगों की फ्लाइट दिल्ली से बाकी सभी को लखनऊ से है बांदा जनपद के सर्वाधिक 23 हज यात्रियों की फ्लाइट 27 अप्रैल 2026 को लखनऊ से मदीना रवाना होगी । इस साल सभी हज यात्रियों को हज कमेटी स्मार्ट घड़ी दे रही है जिसमें हज में हर लोकेशन देगी और आपदा से भी बचाएगी,हाजियों को रास्ता भी बताएगी इसके अलावा हज सुविधा ऐप के बारे में भी बताया गया।कार्यक्रम के संयोजक एवं वरिष्ठ हज ट्रेनर हाजी सुभान अली ने हज यात्रियों को मुबारकबाद पेश किया और शुक्रिया अदा किया। इसके अलावा प्रबंधक हाजी फारूक एडवोकेट,सह संयोजक हाजी जाहिद अली,अरसलान, उजैर ,रज़ाउल मुस्तफा आदि लोगों ने हज यात्रियों को मुबारक पेश किया।

उत्तर रेलवे
खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 15.05.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे, यदि कोई मैनुअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या	00372026 दिनांक 24.04.2026
2	निविदा संख्या	06-Sr.DEN-I-LKO-2026-27
3	कार्य का नाम	[illegible]
4	अनुमानित लागत	रु. 90,15,763.20
5	धरोहर राशि	रु. 1,80,400/-
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से [illegible] माह
7	निविदा डालने की प्रारंभ तिथि	01.05.2026
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	15.05.2026, 15:00 बजे
9	वेबसाईट	www.ireps.gov.in

नोट:– निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 1389/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सुहेला का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खुद 'बीमार'

डॉक्टर नदारद, गंदगी का अंबार, वार्ड बॉय के भरोसे इलाज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

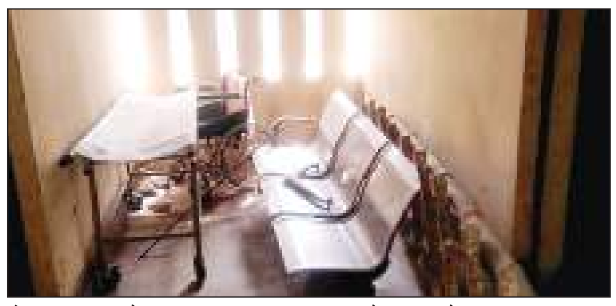

अजान खीरी। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के सरकारी दावों की हकीकत ग्रामीण इलाकों में उलट नजर आ रही है। गोला तहसील क्षेत्र के ग्राम सुहेला स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रशासनिक उपेक्षा और बदहाल व्यवस्था का जीता-जागता उदाहरण बन गया है। हालात ऐसे हैं कि यहां बेहतर इलाज के अभाव में मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि यह केंद्र हजारों की आबादी के लिए प्राथमिक उपचार का मुख्य सहारा है। सरकार ने यहां बड़ा अस्पताल भवन तो तैयार कर दिया, लेकिन सुविधाओं के नाम पर स्थिति बेहद खराब है। अस्पताल में आवश्यकतानुसार डॉक्टरों की तैनाती नहीं है। कागजों में भले ही चार लोगों का स्टाफ दर्शाया गया हो, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि डॉक्टर और एएनएम अधिकांश समय अनुपस्थित रहते हैं। स्थिति यह है कि पूरा अस्पताल एक वार्ड बॉय के भरोसे चल रहा है। बुखार, दर्द या सामान्य बीमारियों में भी मरीजों को उसी के माध्यम से दवा मिलती है। मजबूरी में ग्रामीणों को उसी से इलाज कराना पड़ता है। अस्पताल परिसर में प्रवेश करते ही अव्यवस्था साफ दिखाई देती है। चारों ओर झाड़ियां, कबाड़ और कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। गंदगी के कारण बदबू फैली रहती है, जिससे संक्रमण का खतरा भी बना हुआ है। मरीजों और उनके परिजनों के लिए वहां बैठना तक मुश्किल हो जाता है।

अस्पताल भवन और आवासीय परिसर भी जर्जर अवस्था में पहुंच चुके हैं। छतों और आंगनों में पेड़-पौधे उग आए हैं, जबकि कमरों के भीतर गंदगी का अंबार लगा है। ऐसा प्रतीत होता है मानो वर्षों से यहां सफाई नहीं हुई हो। पूरा परिसर किसी परित्यक्त भवन जैसा नजर आता है, जहां जहरीले जीव-जंतु पनपने का खतरा बना रहता है। चौंकाने वाली बात यह है कि अस्पताल में सफाई के लिए कोई सफाई कर्मी तक नियुक्त नहीं है। पीने के पानी के लिए केवल एक हैंडपंप का सहारा है। परिसर में स्थित धार्मिक स्थल के आसपास भी गंदगी फैली हुई है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जब अस्पताल में स्टाफ ही नहीं रुकता, तो आवासीय भवनों के निर्माण का कोई औचित्य नहीं रह जाता। उनका आरोप है कि निर्माण के समय तो ध्यान दिया गया, लेकिन बाद में व्यवस्थाएं पूरी तरह से उपेक्षित छोड़ दी गईं। ग्रामीणों के अनुसार, अस्पताल में दिन में केवल 6 से 7 घंटे ही सेवाएं मिल पाती हैं। आपात स्थिति में मरीजों को करीब 10 किलोमीटर दूर गोला ले जाना पड़ता है, जिससे कई बार रास्ते में ही गंभीर स्थिति उत्पन्न हो जाती है। रात के समय अस्पताल में ताला लटका रहता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अस्पताल में डॉक्टरों की स्थायी तैनाती की जाए, आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि जब सरकार हर नागरिक तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का दावा करती है, तो सुहेला जैसे केंद्रों की बदहाली चिंताजनक है।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि हजारों लोगों की निर्भरता वाले इस स्वास्थ्य केंद्र की दुर्दशा पर स्वास्थ्य विभाग की नजर कब पड़ेगी। फिलहाल हालात ऐसे हैं कि सुहेला का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खुद ही इलाज की मांग करता नजर आ रहा है।

यूपी बोर्ड परीक्षा में कैसर पहलवान मेमोरियल इंटर कॉलेज के छात्रों ने लहराया परचम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। कस्बा खीरी टाउन स्थित कैसर पहलवान मेमोरियल इंटर कॉलेज के छात्रों ने इस वर्ष यूपी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही कॉलेज परिसर में खुशी का माहौल छा गया। छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों ने एक-दूसरे को बधाई देकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। परीक्षा में अनूशा उमर ने 90.38 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा मोहम्मद फैज ने 89.84 प्रतिशत, इल्मा ने 89.34 प्रतिशत, जिक्रा ने 85.34 प्रतिशत, अरीबा खातून ने 84.5 प्रतिशत, अतीक ने 83.34 प्रतिशत, फलक नाज ने 83 प्रतिशत और नुसरा ने 78.17 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। इन सभी विद्यार्थियों की मेहनत और लगन सराहनीय रही। कॉलेज की मैनेजिंग डायरेक्टर उम्मी खातून ने छात्रों की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि शिक्षा ही प्रगति का आधार है और विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत करते रहना चाहिए। वहीं प्रधानाचार्य हाजी सईद हुसैन ने इस सफलता का श्रेय शिक्षकों की मेहनत और अभिभावकों के सहयोग को दिया।

मृदा में संतुलित उर्वरकों के उपयोग पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। चंद्रशेखर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र जमुना बाद द्वारा विकासखंड बांकेगंज के ग्राम ढोंगवा में मृदा स्वास्थ्य एवं संतुलित उर्वरक उपयोग को लेकर एक वृहद जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को मृदा की उर्वरता बढ़ाने, लागत कम करने तथा गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केंद्र के अध्यक्ष डॉ. एस.के. विश्वकर्मा ने कहा कि मिट्टी में जीवांश पदार्थ की मात्रा बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। इससे न केवल फसलों की गुणवत्ता में सुधार होता है, बल्कि दीर्घकाल में भूमि की उर्वरता भी बनी रहती है। सस्य वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि मृदा में जीवांश की अधिकता से लाभकारी सूक्ष्मजीवों की संख्या बढ़ती है, जिससे कम लागत में बेहतर उत्पादन संभव होता है। उन्होंने बदलते जलवायु परिदृश्य में सतत उत्पादन के लिए सनई, ढैंचा जैसी हरी खाद के उपयोग पर जोर दिया। उद्यान वैज्ञानिक डॉ. मोहम्मद सोहेल ने कहा कि सब्जियों एवं मसालों में बेहतर गुणवत्ता और स्वाद के लिए मृदा में पोषक तत्वों का संतुलित अनुपात होना जरूरी है। उन्होंने किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के प्रयोग की सलाह दी। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. एन.के. त्रिपाठी ने खेती के साथ पशुपालन को जोड़ने पर बल देते हुए कहा कि प्राचीन समय में कृषि और पशुपालन एक-दूसरे के पूरक थे, लेकिन वर्तमान में इससे दूरी बनने के कारण फसलों की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। उन्होंने उन्नत नस्लों के पालन, बकरी पालन को बढ़ावा देने तथा नाडेप और केंचुआ खाद बनाने की जानकारी दी।

प्रसार वैज्ञानिक डॉ. जियालाल गुप्ता ने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि, पशुपालन और उद्यानिकी से संबंधित नवीन तकनीकों का अध्ययन करें तथा अधिक से अधिक प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लेकर आधुनिक विधियों को अपनाएं, जिससे उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि हो सके।

नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार, पॉक्सो एक्ट में भेजा गया जेल

अजान खीरी। जनपद में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना हैदराबाद पुलिस को अहम सफलता मिली है। पुलिस ने नाबालिग लड़की से छेड़छाड़, गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देशन में की गई कार्रवाई के अनुसार ग्राम कुंवरपुर निवासी गाती देवी पत्नी राजाराम ने 26 मार्च 2026 को थाना हैदराबाद में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि 16 मार्च को गांव के ही हरिसेवक पुत्र नन्दराम ने उनकी नाबालिग पुत्री के साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मु0अ0सं0 83/2026 के तहत धारा 74, 115(2), 352, 351(2) बीएनएस एवं 7/8 पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

अमरपुर गांव में भीषण अग्निकांड: 50 घर जलकर खाक, सैकड़ों लोग बेघर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। गोला विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत गोगावां के गांव अमरपुर में मंगलवार तड़के भीषण अग्निकांड से भारी तबाही मच गई। सुबह करीब 3:35 बजे लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते लगभग 50 घर जलकर पूरी तरह खाक हो गए। ग्रामीणों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। आग की चपेट में आकर घरों में रखा अनाज, कपड़े, नगदी और जरूरी दस्तावेज सब कुछ जलकर राख हो गया। इस हादसे के बाद प्रभावित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही सामाजिक संगठनों ने राहत कार्य शुरू कर दिया। हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष विपिन मिश्रा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। साथ ही उन्होंने प्रभावित लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था भी कराई।

विपिन मिश्रा ने बताया कि पीड़ित परिवारों को शासन स्तर से आर्थिक सहायता दिलाने के लिए उच्च अधिकारियों से वार्ता की गई है। उन्होंने कहा कि सभी प्रभावितों को जल्द से जल्द मुआवजा दिलाने के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल राहत एवं पुनर्वास की मांग की है, ताकि प्रभावित परिवारों को इस संकट की घड़ी में सहारा मिल सके। आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है, हालांकि प्रशासन द्वारा मामले की जांच कराई जा रही है।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से मुख्य सेविका की मौत, चालक फरार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कोतवाली गोला के नानक चौकी क्षेत्र में शुक्रवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में 25 वर्षीय मुख्य सेविका की दर्दनाक मौत हो गई। एनएच-730 स्थित भुसौरिया चौराहे पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ड्यूटी पर जा रही युवती की स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका मानसी वर्मा पुत्री राम खेलावन, निवासी महमदपुर ढाका, ब्लॉक मितौली की रहने वाली थीं। वह विकास खंड कुम्भी (गोला) में मुख्य सेविका के पद पर कार्यरत थीं। परिजनों के मुताबिक उनकी नियुक्ति करीब छह माह पूर्व ही हुई थी। शुक्रवार सुबह लगभग 8:30 बजे वह अपने घर से ड्यूटी के लिए निकली थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लखीमपुर रोड की ओर से गलत दिशा में आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने पटेल चौराहे की तरफ से आ रही मानसी की स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वह सड़क पर गिर गईं। इसी दौरान चालक वाहन लेकर भागने लगा, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने ट्रैक्टर का पीछा कर उसे पकड़ लिया, लेकिन चालक वाहन छोड़कर खेतों के रास्ते फरार हो गया। सूचना मिलते ही कोतवाली गोला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर फरार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतका के चाचा महेंद्र कुमार कनौजिया ने बताया कि मानसी परिवार की बड़ी उम्मीद थीं और हाल ही में उन्हें सरकारी सेवा मिली थी।

नर्सिंग की फर्जी मान्यता प्रदान कर की थी लाखों की ठगी, प्रयागराज का आरोपित गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फिरोजाबाद। थाना उत्तर पुलिस टीम ने शुक्रवार को इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल एण्ड नर्सिंग की फर्जी मान्यता प्रदान कर लाखो रूपयों की ठगी करने वाले वॉछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे जेल भेजा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देश पर जनपद में वॉछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी के क्रम के थाना प्रभारी उत्तर अंजीश कुमार सिंह ने पुलिस टीम के साथ सूचना पर इंस्टीट्यूट आफ पैरामेडिकल एण्ड नर्सिंग की फर्जी मान्यता प्रदान कर लाखो रूपयों की ठगी करने के मामले में वांछित अभियुक्त सुरेश कुमार पुत्र बच्चा राम निवासी झिरिहिरी हण्डिया थाना हण्डिया जनपद प्रयागराज को उसके निवास स्थान जनपद लखनऊ से गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

लूट की सूचना निकली अफवाह

- थाने में रात बिताने के बाद पीड़ित ने बदला बयान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र में गुरुवार रात अजान-घरथनिया मार्ग पर लूट की सूचना से इलाके में सनसनी फैल गई। हालांकि रात भर थाने में रहने के बाद शुक्रवार सुबह कथित पीड़ित ने अपना बयान बदलते हुए लूट की घटना से साफ इनकार कर दिया, जिससे पुलिस भी असमंजस की स्थिति में पड़ गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात करीब 11 बजे गफ्फार निवासी राजकुमार पुत्र राम प्रसाद ने पुलिस को सूचना दी थी कि मुड़ा विशनू मोड़ के पास तीन अज्ञात बदमाशों ने उनकी बाइक रुकवाकर 3500 रुपये नकद और एक जियो मोबाइल लूट लिया। राजकुमार गोला तहसील गेट के पास कंप्यूटर की दुकान संचालित करते हैं और वर्तमान में कोरैया ग्राम सभा के प्रधान करणेश कुमार के मकान में किराए पर रह रहे हैं। घटना के समय वह गोला से अपना कार्य समाप्त कर घर लौट रहे थे। घटना के बाद राहगीरों द्वारा बनाए गए एक वीडियो में राजकुमार ने बताया था कि पीछे से बाइक पर आए तीन युवक, जिन्होंने मुंह पर कपड़ा बांध रखा था, ने ओवरटेक कर उनकी बाइक के सामने वाहन लगा दिया। अचानक ब्रेक लगाने से वह गिर पड़े और आरोपियों ने उनकी जेब से नकदी व मोबाइल लेकर फरार हो गए। बाइक स्टार्ट न होने पर वह उसे पैदल खींचते हुए ले जा रहे थे। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुनील मलिक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद पीड़ित को बयान दर्ज कराने के लिए थाने ले जाया गया।

शुक्रवार सुबह राजकुमार ने अपने पूर्व बयान से पलटते हुए बताया कि वह घरथनिया गांव के पास जा रहे थे, तभी किसी वाहन ने ओवरटेक किया, जिससे उनकी बाइक फिसलकर गिर गई। राहगीरों के पूछने पर उन्होंने कहा कि कुछ नहीं हुआ, लेकिन लोगों ने ही पुलिस को सूचना दे दी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनका मोबाइल और नकदी दोनों सुरक्षित हैं। पीड़ित के बयान बदलने से पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और पूरे प्रकरण की सच्चाई जानने का प्रयास कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

बीजों का वितरण अब ऑनलाईन बुकिंग के बाद ई-लॉटरी से किया जाएगा

मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद के जिला कृषि अधिकारी राजेंद्र पाल सिंह ने शुक्रवार को जनपद के समस्त किसान भाइयों को सूचित किया है कि कृषि विभाग की ओर से खरीफ सत्र 2026-27 में अनुदान पर वितरित किये जाने वाले सभी बीजों का वितरण अब ऑनलाईन बुकिंग के बाद ई-लॉटरी से किया जायेगा। बीज प्राप्त करने के लिए किसान भाइयों को ऑनलाईन बुकिंग करना जरूरी है, जिसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। ऐसा न करने पर किसान योजना के लाभ से वंचित रह सकते हैं। किसान विभागीय पोर्टल दर्शन https://agriculture.up.gov.in/ पर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते है। बुकिंग प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गयी है। ऑनलाइन आवेदन के बाद चयन ई-लॉटरी के माध्यम से किया जायेगा, जिसके पश्चात बीजों का वितरण होगा। उन्होंने बताया कि खरीफ सत्र के तहत जनपद स्थित राजकीय कृषि बीज भण्डारों से सामान्य एवं मिनीकिट बीज उपलब्ध कराये जायेंगे। सामान्य श्रेणी में धान 08 किग्रा प्रति पैकेट, अरहर 04 किग्रा, मूंग 04 किग्रा, उर्द 04 किग्रा एवं संकर मक्का, संकर बाजरा व संकर ज्वार 04 किग्रा एवं 03 किग्रा शामिल है। वहीं मिनीकिट श्रेणी में अरहर, उर्द, मूंग और मिलेट्स के मिनीकिट्स उपलब्ध रहेंगे। जिला कृषि अधिकारी ने समस्त कृषक भाइयों से अपील है कि विभागीय पोर्टल दर्शन-1 https://agriculture.up.gov.in/ पर ऑनलाईन बुकिंग करना के उपरान्त जनपद स्थित राजकीय कृषि बीज भण्डारों से खरीफ सत्र में उपलब्ध बीज प्राप्त कर सकते हैं। कृषि विभाग, मुरादाबाद आप सभी कृषक भाइयों से अपील करता है कि वे समय से बीज प्राप्त करें एवं इस योजना का लाभ उठायें।

कन्नौज में मुख्य सेविकाओं को स्मार्ट फोन और सहायिकाओं को प्रभारी मंत्री ने दिए नियुक्ति पत्र

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले की प्रभारी मंत्री और प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस के अवसर पर पंचायत कल्याण कोष से ग्राम पंचायत परसपुर के प्रधान को 10 लाख एवं मवई बिलवारी व बीलमपुर के सदस्य को 02-02 लाख रूपये की सहायता धनराशि का डेमो चेक मंत्री द्वारा वितरित किया गया। मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायत गुखरू को प्रथम एवं ग्राम पंचायत सलेमपुर को द्वितीय पुरस्कार के साथ मंत्री ने अंग वस्त्र आदि भेंट कर सम्मानित किया। इसी क्रम में मुख्य सेविका शिवानी, नीति तिवारी, सोनाक्षी, शिवानी सेजवार, नेहा गुप्ता, प्रीती गौतम तथा आंगनबाडी कार्यकत्री पूनम द्विवेदी, शिखा द्विवेदी, निधि शुक्ला, गीता शुक्ला, सविता गुप्ता, संगीता कटियार को स्मार्ट फोन वितरित किया गया। इसी क्रम में उन्होंने आंगनवाड़ी सहायिका सोनाली पाल, सुश्री विशाखा, साधना, नेहा तथा ज्योति को नियुक्ति पत्र वितरित किये।

मंडलायुक्त की समीक्षा बैठक में विकास कार्यों पर जोर, लापरवाही पर सख्त चेतावनी

मीरजापुर। विन्ध्याचल मंडल के मंडलायुक्त राजेश प्रकाश ने शुक्रवार को आयुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों, निर्माणाधीन परियोजनाओं, राजस्व कार्यों और नदियों के पुनरोद्धार की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी योजनाओं में तय समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण कराए जाएं। समीक्षा के दौरान सीएम डैशबोर्ड के अधिकांश विकास मदों में मंडल को ए श्रेणी मिलने पर संतोष जताया गया, लेकिन बी और सी श्रेणी वाले विभागों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सुधार लाने की सख्त हिदायत दी गई। मंडलायुक्त ने कहा कि खराब माह तक प्रगति में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तय है।

एप्जा की संगोष्ठी में पत्रकारों की सुरक्षा पर जोर

सूर्य प्रकाश मिश्रा बने गोला तहसील अध्यक्ष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जिला पंचायत सभागार में ऑल इंडियन प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन (एप्जा) द्वारा आयोजित संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह में पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर जोरदार आवाज उठाई गई। कार्यक्रम के दौरान संगठन का विस्तार करते हुए सूर्य प्रकाश मिश्रा को सर्वसम्मति से गोला तहसील अध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संगठन के चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग सारथी एवं जिला अध्यक्ष संदीप शुक्ला के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान वक्ताओं ने पत्रकार सुरक्षा आयोग के गठन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की मजबूती के लिए पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित होना बेहद जरूरी है। उन्होंने 'मीडिया निर्वाचन क्षेत्र गार्डन अधिकार आयोग' के गठन के अभियान को गति देने की बात कही। समारोह में पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं पत्रकार हितों के लिए सक्रिय भूमिका निभाने पर आशीष गुप्ता और नितिन गुप्ता को सम्मानित किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर उनके योगदान की सराहना की।

जिला अध्यक्ष संदीप शुक्ला ने कहा कि संगठन का उद्देश्य जनपद के प्रत्येक पत्रकार को सम्मान और अधिकार सुरक्षित करना है। वहीं, चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग सारथी ने सभी पत्रकारों से एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए आगे आने का आह्वान किया।

चोटी बेधक कीट से बचाव को लेकर रैली निकाली गई किसान जागरूकता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड, चीनी मिल गोला गोकर्णनाथ द्वारा गन्ने की फसल को नुकसान पहुंचाने वाले चोटी बेधक कीट से बचाव हेतु किसानों को जागरूक करने के लिए एक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को मिल गेट से वरिष्ठ महाप्रबंधक (गन्ना) पी.एस. चतुर्वेदी एवं सहकारी गन्ना विकास समिति गोला के संचालक श्याम सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली मिल परिक्षेत्र के सैकड़ों गांवों में पहुंचकर किसानों को चोटी बेधक कीट की पहचान और उसके प्रभावी नियंत्रण के उपायों की जानकारी देगी। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान समय में बढ़ते तापमान के कारण गन्ने की फसल में कीटों का प्रकोप तेजी से बढ़ता है, ऐसे में किसानों को नियमित रूप से फसलों की निगरानी, सिंचाई और गुड़ाई करते रहना चाहिए।

विशेषज्ञों ने बताया कि इस समय चोटी बेधक कीट की पहली पीढ़ी का प्रकोप देखा जा रहा है, जबकि इसकी कुल पांच पीढ़ियां होती हैं, जिनमें तीसरी पीढ़ी सबसे अधिक नुकसान पहुंचाती है। इसकी पहचान के लिए गन्ने के पौधों में 'डेड हार्ट' (मुख्य बढ़वार बिंदु का सूख जाना), पत्तियों की मध्य शिरा पर लाल धारी, पत्तियों का मुड़ना और उन पर काले छर्रे जैसे निशान दिखाई देते हैं। साथ ही झाड़ी जैसी आकृति (बंची टॉप) भी इसका प्रमुख लक्षण है। कीट नियंत्रण के लिए सलाह दी गई कि प्रभावित पत्तियों में संक्रमित पौधों को जमीन की सतह से एक से डेढ़ इंच नीचे से काटकर खेत से बाहर निकालकर नष्ट कर दिया जाए या गड्ढे में दबा दिया जाए।

दिल्ली कैपिटल्स के सामने अजेय पंजाब किंग्स की कड़ी चुनौती

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने के लिए शनिवार को यहां होने वाले मुकाबले में तालिका में शीर्ष पर चल रही पंजाब किंग्स के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से 47 रन से हार का सामना करने वाली दिल्ली के लिए वापसी की राह काफी चुनौतीपूर्ण होगी। इसके लिए उसके ज्यादातर खिलाड़ियों को एक साथ अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

छह मैचों में तीन जीत और तीन हार के साथ दिल्ली फिलहाल अंकतालिका के छठे स्थान पर है,

जबकि पंजाब किंग्स छह मुकाबलों में 11 अंकों के साथ शीर्ष पर काबिज है। उनका एकमात्र अंक तब गया था जब कोलकाता में मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या उसकी बल्लेबाजी में अस्थिरता रही है। केएल राहुल, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी ने कुछ पारियों में योगदान दिया है, लेकिन पूरी टीम एक साथ प्रदर्शन करने में नाकाम रही है।

सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में असफल रहे हैं, जिससे मध्यक्रम पर दबाव बढ़ गया है। कप्तान अक्षर पटेल से भी उम्मीद की जा रही है कि वह बल्ले और रणनीति दोनों में अधिक जिम्मेदारी निभाएं। पिछले मैच में उनके कुछ निर्णयों पर भी सवाल उठे हैं, खासकर गेंदबाजी बदलावों को लेकर। विस्फोटक अभिषेक शर्मा के खिलाफ उन्होंने कामचलाऊ गेंदबाज नितीश राणा को लगातार इस्तेमाल किया, जो असरदार साबित नहीं हुआ। दिल्ली का क्षेत्ररक्षण भी चिंता का विषय रहा है। टीम ने कुछ मैचों में स्टंपिंग के मौके गंवाए, रन-आउट में गलतियां कीं और आसान कैच छोड़े, जिसका उसे काफी नुकसान हुआ है।

बल्लेबाजों की तुलना में गेंदबाजी इकाई अपेक्षाकृत बेहतर रही है, लेकिन शानदार लय में चल रहे पंजाब के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने के लिए उसमें अधिक आक्रामकता की जरूरत है। पंजाब किंग्स की टीम इस समय पूरी लय में नजर आ रही है। उन्होंने हाल ही में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ इस सत्र का सबसे बड़ा स्कोर, सात विकेट पर 254 रन, बनाया। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 211 रन बनाकर शानदार फॉर्म दिखाया है और तेज शुरुआत दी है।

थॉमस कप में लक्ष्य सेन की हार के बावजूद भारत ने कनाडा पर बनाई बढ़त

एजेंसी

नई दिल्ली। थॉमस कप में भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए कनाडा के खिलाफ पहले मुकाबले में 3-1 की बढ़त बना ली है। डेनमार्क के फोरम हॉर्सेन्स में खेले जा रहे इस मुकाबले में किदांबी श्रीकांत का मैच अभी बाकी है।

भारत के लिए आयुष शेट्टी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी, तथा हरिहरन अम्साकरुनन और एम.आर. अर्जुन की जोड़ी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

आयुष शेट्टी ने ब्रायन यांग को सीधे गेम में 21-13, 21-17 से हराया। वहीं, सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जोनाथन लाई और केविन ली को 21-10, 21-11 से हराकर भारत की

बढ़त को और मजबूत किया। इसके बाद हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी ने टाई अलेक्जेंडर लिंडेमैन और नायल याकुरा को 21-7, 21-7 से शिकस्त दी। हालांकि, भारत को पहला झटका लक्ष्य सेन के रूप में लगा, जिन्हें शुरुआती मुकाबले में विक्टर लाई के खिलाफ 21-18, 19-21, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद भारत ने मुकाबले में 3-1 की बढ़त बनाकर जीत की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिए हैं, जबकि किदांबी श्रीकांत का मुकाबला अभी खेला जाना बाकी है।

संक्षिप्त समाचार

हर मैच में 'फिनिशिंग' नहीं कर सकते : टिम डेविड

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज टिम डेविड समझते हैं कि एक 'फिनिशर' के तौर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करना मुश्किल होता है और उन्होंने इस बात को स्वीकार लिया है और उनके अनुसार असफलता के समय खुद को ज्यादा सख्ती से नहीं आंकना ही सबसे जरूरी है। पिछले साल आरसीबी को अपना पहला आईपीएल खिताब जिताने में डेविड के निचले क्रम में की गई जोरदार बल्लेबाजी ने अहम भूमिका निभाई थी और इस बार भी उन्होंने अपनी 'पावर-हिटिंग' की झलक दिखाई है। डेविड ने कहा, ''हमारी टीम काफी अच्छी है और टी20 क्रिकेट में मध्यक्रम बल्लेबाज़ के तौर पर आप हर मैच में फिनिशिंग नहीं कर सकते। इसलिए अगर आप हर बार ऐसा करने की उम्मीद करते हैं तो यह बहुत मुश्किल हो जाता है। हम बस अपना खेल खेलते हैं और उसका मजा लेने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, ''इसलिए आप खुद पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालें और जब आप सफल नहीं हों तो खुद को ज्यादा सख्ती से नहीं आंकें।

थकान का असर नहीं, मुंबई को आत्मविश्वास, एकाग्रता और अनुशासन बनाए रखने की जरूरत है: जयवर्धने

मुंबई। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के टी20 विश्व कप में खेलने के कारण लेकर थकान की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि टीम लय और आत्मविश्वास हासिल करने पर ध्यान दे रही है। मुंबई इंडियंस की टीम में सूर्यकुमार और हार्दिक के अलावा जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा पिछले महीने आईसीसी टी20 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा थे, जबकि मिचेल सैंटनर ने इस विश्व कप में न्यूजीलैंड की अगुवाई की थी और अनुभवी क्विंटन डिकॉक दक्षिण अफ्रीका टीम के अहम सदस्य थे। मुंबई इंडियंस को बृहस्पतिवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 103 रन की करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा, जो रनों के लिहाज से उसकी सबसे बड़ी हार है। यह टीम की सात मैचों में पांचवीं हार थी। कप्तान हार्दिक पांड्या ने छह मैचों में केवल तीन विकेट लिए हैं और 97 रन बनाए हैं, जबकि सूर्यकुमार यादव सात मैचों में 156 रन ही बना सके हैं। वहीं, जसप्रीत बुमराह (2 विकेट) और तिलक वर्मा (181 रन) भी एक पारी को छोड़ दे तो खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं।

अनुष अग्रवाला ने सीडीआई हेगन में रजत पदक जीता

नई दिल्ली। भारतीय घुड़सवार अनुष अग्रवाला ने जर्मनी के हागेन में आयोजित प्रतिष्ठित सीडीआई हागेन ड्रेसाज प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया है। उन्होंने अपनी अनुभवी घोड़ी फ्लोरियाना के साथ 70.94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। अग्रवाला और फ्लोरियाना ने एक बेहद संतुलित, सधी हुई और प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उन्होंने तकनीकी सटीकता, तालमेल और कलात्मक प्रस्तुति से अंतरराष्ट्रीय जजों को प्रभावित किया। अग्रवाला ने अपनी उपलब्धि पर कहा, ळसीडीआई हागेन का यह परिणाम फ्लोरियाना के साथ मेरी बेहतरीन साझेदारी का प्रमाण है। मुझे खुशी है कि हमने अपने अभ्यास के अनुसार प्रदर्शन किया। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है और मैं इस लय को आगे भी बनाए रखना चाहता हूं। यह रजत पदक अग्रवाला की अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग को और मजबूत करेगा और आगामी एफईआई प्रतियोगिताओं के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

कुंबले और हरभजन ने की सैमसन की सराहना

मुंबई। अनिल कुंबले और हरभजन सिंह जैसे पूर्व दिग्गज स्पिनरों ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ संजू सैमसन के शतक की जमकर सराहना करते हुए इसे परिस्थिति के हिसाब से सबसे बेहतरीन पारियों में से एक करार दिया। सैमसन की 54 गेंदों पर नाबाद 101 रन की पारी से चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने छह विकेट पर 207 रन बनाने के बाद मुंबई इंडियंस को 104 रन पर आउट कर बड़ी जीत दर्ज की। मौजूदा सत्र में यह सैमसन का दूसरा शतक है। पूर्व स्पिनर कुंबले ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, ळसीएसके की सफलता अक्सर उनके सलामी बल्लेबाजों की मजबूत शुरुआत पर टिकी रही है लेकिन पिछले कुछ सत्र में टीम को इस मामले में निराशा मिली है। सैमसन ने इस जिम्मेदारी को उठाने की कोशिश की है। सिर्फ सात मैचों में दो नाबाद शतक, और उन्होंने टीम को संभालने में अहम भूमिका निभाई है।

घरेलू कीटनाशकों पर जीएसटी घटाकर पांच प्रतिशत करने पर विचार करे जीएसटी परिषद: रिपोर्ट

नई दिल्ली। मच्छरों और कीटों से होने वाली बीमारियों से लड़ने और निवारक स्वास्थ्य देखभाल सेवा को मजबूत करने के लिए जीएसटी परिषद को घरेलू कीटनाशकों पर लगने वाले कर को मौजूदा 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने पर विचार करना चाहिए। ईवाई-एचआईसीए ने शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही। रिपोर्ट के अनुसार लिक्विड वेपोराइजर, कॉइल और एरोसोल जैसे घरेलू कीटनाशक भारत के निवारक स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, विशेष रूप से घरेलू स्तर पर जहां इन बीमारियों से सुरक्षा अभी भी असमान है। ईवाई और होम इंसेक्ट कंट्रोल एसोसिएशन (एचआईसीए) की इस संयुक्त रिपोर्ट में इस बात की पड़ताल की गई है कि वर्तमान 18 प्रतिशत की जीएसटी दर इन उत्पादों की वहनीयता, पहुंच और उपयोग को खासकर संवेदनशील और उच्च जोखिम वाली आबादी के बीच किस तरह प्रभावित करती है। रिपोर्ट में इन उत्पादों पर कर को अन्य आवश्यक स्वच्छता और स्वास्थ्य-सुरक्षा उत्पादों की तर्ज पर पांच प्रतिशत करने का तर्क दिया गया है।

प्राची गायकवाड़ ने थ्री पोजीशन्स राइफल में स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी

काहिरा। भारत की प्राची गायकवाड़ ने यहां महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन्स में स्वर्ण पदक जीता जबकि नारायण प्रणव ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक हासिल किया जिससे यहां चल रहे आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में भारत का पदक तालिका में दबदबा कायम रहा। यह इस प्रतियोगिता में भारत का दूसरा स्वर्ण है। इससे पूर्व पहले दिन पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में शिव नरवाल ने स्वर्ण जीता था। इसके साथ ही भारत के कुल पदक की संख्या नौ हो गई है जिसमें दो स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। प्राची ने फाइनल में 354.6 का स्कोर किया और व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ी (एआईएन) डार्या चुप्रिस को पीछे छोड़ा जिन्होंने 354.4 का स्कोर बनाया। एक अन्य एआईएन

निशानेबाज एलेना क्रेटिनिना ने 343.3 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। इस बीच, नारायण ने अपनी स्पर्धा में 229.5 के फाइनल स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल किया। प्राची थ्री पोजीशन्स फाइनल में पहुंचने वाली एकमात्र भारतीय थीं। उन्होंने 578 के स्कोर के साथ छठे स्थान पर क्वालीफाई किया था। पदक दौर में नीलिंग पोजीशन में पहले 10 शॉट के बाद वह पांचवें स्थान पर थी।

प्रोन राउंड में शानदार प्रदर्शन के बाद वह दूसरे स्थान पर पहुंच गईं और उस समय शीर्ष पर चल रही डार्या से सिर्फ 0.6 अंक पीछे थीं।

भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए विशेष गोलकीपिंग कैंप

डेविड विलियमसन दे रहे प्रशिक्षण

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए विशेष गोलकीपिंग कैंप का आयोजन 22 अप्रैल से दो मई तक भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) बेंगलुरु में किया जा रहा है। इस कैंप का संचालन अनुभवी कोच डेविड विलियमसन कर रहे हैं, जबकि टीम के मुख्य कोच सर्जोर्ड मारिज्ने इसकी निगरानी कर रहे हैं।

इस विशेष कैंप में सविता, बंसारी सोलंकी, बिचू देवी खारीबाम और माधुरी किंडो जैसे प्रमुख गोलकीपर शामिल हैं। कैंप का उद्देश्य आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से पहले भारतीय टीम की गोलकीपिंग यूनिट को और मजबूत बनाना है। इस कैंप को आनंदना ऽ द कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन का समर्थन प्राप्त है, जो भारत में महिला हॉकी के विकास में लगातार योगदान दे रहा है। इससे पहले भी इस संस्था ने 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय

चैंपियनशिप 2026 को सहयोग दिया था।

डेविड विलियमसन उत्तरी आयरलैंड के अनुभवी हॉकी कोच हैं और वे लंबे समय तक अमेरिका की महिला राष्ट्रीय टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रह चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने 2025 में महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में ओडिशा वॉरियर्स के सहायक कोच के रूप में भी कार्य किया है, जिससे उन्हें गोलकीपिंग विकास में व्यापक अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त है।

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच सर्जोर्ड मारिज्ने ने कहा, ळहाल ही में अर्जेंटीना दौरे के दौरान हमारे गोलकीपर्स ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। जून से महत्वपूर्ण टूर्नामेंट शुरू होने वाले हैं, ऐसे में यह विशेष प्रशिक्षण कैंप हमारे लिए काफी उपयोगी साबित होगा। उन्होंने कहा, हमने जूनियर टीम के गोलकीपर्स को भी सीनियर खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण का मौका दिया है। यह अनुभव उनके विकास के लिए बेहद अहम होगा और उन्हें भविष्य में सीनियर स्तर पर खेलने के लिए तैयार करेगा। टीम की अनुभवी गोलकीपर सविता ने कहा, ळमहिला हॉकी को मिल रहा यह समर्थन खिलाड़ियों के लिए काफी प्रेरणादायक है। खासकर युवा खिलाड़ियों के लिए यह एक बड़ा अवसर है। जब लड़कियां देखती हैं कि इस खेल को इतना समर्थन मिल रहा है, तो उनमें आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की इच्छा बढ़ती है। कोका-कोला इंडिया और साउथवेस्ट एशिया की पब्लिक अफ़ेयर्स, कम्युनिकेशन और सस्टेनेबिलिटी की वाइस प्रेसिडेंट देवयानी राणा ने कहा, ळहॉकी इंडिया के साथ हमारी साझेदारी इस विश्वास पर आधारित है कि महिला खेलों में निवेश स्थायी बदलाव लाता है। जूनियर और सीनियर खिलाड़ियों का साथ में प्रशिक्षण उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाता है। आनंदना के माध्यम से हम भारतीय महिला हॉकी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्टॉक मार्केट में मेहुल टेलिकॉम की शानदार शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। टेलिकॉम सेक्टर में काम करने वाली कंपनी मेहुल टेलिकॉम लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 98 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग दस प्रतिशत से अधिक प्रीमियम के साथ 108 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 109.90 रुपये के स्तर पर पहुंचा। वहीं मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 104 रुपये के स्तर तक भी आया। बाजार में लगातार जारी खरीदी बिक्री के बाद सुबह 10:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 107.75 रुपये के स्तर पर बने हुए थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक 9.75 रुपये यानी 9.95 प्रतिशत के फायदे में थे। मेहुल

टेलिकॉम लिमिटेड का 88.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 21 अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 44.91 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 32.5 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 79.38 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 37.41 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फ़ेस वैल्यू वाले 28,29,600 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

मेहुल टेलिकॉम लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को एक लाख रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। इसके अगले साल 2024-25 में कंपनी फायदे में आ गई। इस साल कंपनी को 5.74 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 7.07 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत तक कंपनी पूरी तरह से कर्ज मुक्त थी। लेकिन वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी पर सात लाख रुपये का कर्ज हो गया। इसी तरह मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी पर 3.72 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ लद चुका है। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये नौ लाख रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 17.10 करोड़ रुपये हो गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 24.18 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी बड़ी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में आज लगातार पांचवें दिन कमजोरी नजर आ रही है। सोने की तरह ही चांदी ने भी आज गोता लगाया है। सोना आज 1,100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,200 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना आज 0.49 प्रतिशत गिर कर 4,675.50 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी आज 76.37 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई गिरावट की वजह से भारत में भी हाजिर सोने और चांदी की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ है।आज की इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,53,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,40,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में आई गिरावट के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,53,690 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,40,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लगातार तीसरे दिन बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

■ निवेशकों को 4.90 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली, 24 अप्रैल (हि.स.)। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे दिन बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक सुधर कर हरे निशान में पहुंच गए। इसके कुछ देर बाद ही बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इन दोनों सूचकांकों ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स 77,000 अंक के नीचे लुढ़क गया। इसी तरह निफ्टी भी 24,000 अंक के स्तर से नीचे चला गया। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.29 प्रतिशत और निफ्टी 1.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान लगातार बिकवाली होने की वजह से सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज के कारोबार में आईटी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही, जिसकी वजह से निफ्टी का आईटी इंडेक्स 5.29 प्रतिशत टूट कर बंद हुआ। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल, ऑयल एंड गैस,

पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.96 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.87 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज की कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पांच लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 461.50 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 466.40 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.90 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में एनएसई में 2,967 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 667 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,300 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से पांच शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 180.20 अंक की कमजोरी के साथ 77,483.80 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 225 अंक से ज्यादा उछल कर हरे निशान में 77,710.82 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में दोबारा बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण सेंसेक्स दोबारा लाल निशान में गिर गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर दो बजे के थोड़ी देर बाद सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1,306.95 अंक लुढ़क कर 1,260.13 अंक की कमजोरी के साथ 76,403.87 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 260.34 अंक सुधर कर 999.79 अंक की गिरावट के साथ 76,664.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

गोरखपुर क्लब संचालक के बेटे अम्बरीश श्रीवास्तव ने फार्महाउस में खुद को मारी गोली, मौके पर ही मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। शहर के चर्चित कारोबारी और गोरखपुर क्लब के संचालक अतुल श्रीवास्तव के बेटे अम्बरीश श्रीवास्तव (40) ने शुक्रवार को कुसमी स्थित अपने फार्महाउस में लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली। गोली मुंह में लगी और सिर से निकल गई, जिससे मौके पर ही मौत हो गई। घटना से पूरे शहर में सनसनी फैल गई और कारोबारी व सामाजिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अम्बरीश शुक्रवार सुबह करीब 6:30 बजे सिविल लाइंस स्थित अपने आवास से निकले और करीब 7 बजे फार्म हाउस पहुंचे। वहां कुछ देर टहलने के बाद करीब 8:30 बजे वह तीन मंजिला फार्म हाउस की ऊपरी मंजिल पर चले गए। बताया जा रहा है कि उस समय वह मोबाइल फोन पर किसी से बातचीत कर रहे थे।

करीब 8:30 से 9 बजे के बीच गोली चलने की आवाज सुनकर फार्महाउस के कर्मचारी ऊपर पहुंचे तो देखा कि अम्बरीश खून से लथपथ पड़े थे और उनके मुंह से खून निकल रहा था। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही एसएसपी डॉ. कोस्तुभ, एसपी सिटी निमिष पाटिल, सहायक पुलिस अधीक्षक/सीओ कैंट अरुण कुमार सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अम्बरीश ने .32 बोर की लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारी। हालांकि पुलिस अभी हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, जिसमें अम्बरीश अकेले आते-जाते दिखाई दे रहे हैं। फार्महाउस तक आने-जाने का एक ही रास्ता बताया जा रहा है। परिजनों के अनुसार, अम्बरीश पिछले करीब 15 दिनों से मानसिक तनाव में चल रहे थे। घटना से पहले उन्होंने अपनी पत्नी और एक परिचित से फोन पर बातचीत भी की थी। अम्बरीश ने वर्ष 2012 में दीपाली श्रीवास्तव से विवाह किया था। उनके दो बच्चे हैं, जिनकी उम्र लगभग 10 और 8 वर्ष है। वह एके टेंट हाउस नाम से व्यवसाय चलाते थे और ठेकेदारी का कार्य भी करते थे। शहर के बड़े आयोजनों और वीआईपी कार्यक्रमों में उनके टेंट हाउस की प्रमुख भूमिका रहती थी। हाल ही में उन्हें श्री चित्रगुप्त मंदिर सभा का महामंत्री भी चुना गया था। घटना के बाद पुलिस ने फार्महाउस को सील कर जांच शुरू कर दी है। एसपी सिटी निमिष पाटिल का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर ही घटना के वास्तविक कारणों का स्पष्ट खुलासा किया जाएगा।

राज्यमंत्री ने चुनार में उप निबंधक कार्यालय के नवनिर्मित भवन का किया लोकार्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के चुनार स्थित उप निबंधक कार्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण शुक्रवार को (स्वतंत्र प्रभार) स्टांप, न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग रविंद्र जायसवाल ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर फीता काटकर और शिलापट का अनावरण कर किया। इस अवसर पर विधायक मड़िहान रमाशंकर सिंह, पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी एवं जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि विभाग में पूर्व में जो कमियां थीं, उन्हें दूर करने का प्रयास किया गया है। यदि अभी भी कहीं कमी है तो अधिवक्ताओं के सहयोग से उसे भी शीघ्र दूर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने पारिवारिक संपत्ति के बंटवारे में आने वाली समस्याओं को देखते हुए गिफ्ट डीड के स्टांप शुल्क को घटाकर मात्र 5000 रुपये कर दिया है, जिससे लोगों को काफी राहत मिली है। साथ ही महिलाओं के नाम पर पंजीयन में 10 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि पहले प्रदेश को लगभग 11 हजार करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होता था, जो अब बढ़कर 38 हजार करोड़ रुपये हो गया है। नवनिर्मित भवन की अनुमानित लागत 2.28 करोड़ रुपये थी, जबकि निर्माण कार्य 2.17 करोड़ रुपये में पूर्ण कराया गया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त) अजय सिंह, तहसीलदार इवेंद्र कुमार समेत कई जनप्रतिनिधि, अधिवक्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

औरैया में योग 365 अभियान के तहत छात्रों को स्वास्थ्य व संस्कारों का संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के जनपद औरैया के योग वैलनेस सेंटर, राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय औरैया के तहत 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को एडवेनट ट्यूटोरियल अकादमी में ह्ययोग 365 अभियानङ्क के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय परिवार सहित 1000 से अधिक छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ जीवन में स्वास्थ्य के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। जिलाधिकारी बृजेश कुमार के निर्देशन तथा जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ. सुधांशु दीक्षित, आयुर्वेदिक यूनानी चिकित्सा अधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार एवं प्रभारी परवीन के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम की निगरानी जिला कार्यक्रम प्रबंधक गौरव पांडे ने की।

लापता युवक का शव कुएं में मिला, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई

एटा। उत्तर प्रदेश में एटा जिले की जलेसर थाना क्षेत्र में 25 वर्षीय एक युवक का शव कुएं में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजनों ने युवक के साथ कुछ लोगों द्वारा लड़ाई झगड़े के बाद हत्या करने की आशंका व्यक्त की है। थाना प्रभारी राजकुमार सिंह ने शुक्रवार को बताया कि मोहल्ला महावीरगंज निवासी एक युवक का शव मोहल्ले के ही एक 40 फीट गहरे कुएं में पाए जाने की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकाला।

नगर पालिका अधिशासी अधिकारी को न्यायालय ने किया तलब

जिलाधिकारी को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बहराइच। उत्तर प्रदेश की नगर पालिका परिषद बहराइच की अधिशासी अधिकारी प्रमिता सिंह को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने 6 मई को तलब किया है। न्यायालय ने यह आदेश उनके खिलाफ दायर एक वाद की सुनवाई के दौरान दिया है। न्यायाधीश ने जिलाधिकारी को भी पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

शहर के हमजापुरा निवासी अजमत अली ने अधिशासी अधिकारी प्रमिता सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम सरोज की अदालत में बीएनएस की धारा 173 (4) के अन्तर्गत वाद दायर किया था। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि 27 मई 2025 को दिए गए एक प्रार्थना पत्र और शपथ पत्र पर किये गए हस्ताक्षर से अधिशासी अधिकारी ने इन्कार कर दिया था। इसके अलावा उन्होंने याचिकाकर्ता के खिलाफ ही प्राथमिकी दर्ज करा दी,जबकि याचिकाकर्ता का दावा है कि हस्ताक्षर अधिशासी अधिकारी प्रमिता सिंह का ही है।

वाद की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने टिप्पणी की कि याचिका पर अन्तिम निर्णय से पहले सक्षम अधिकारी से जांच कराना उचित होगा। न्यायालय ने जिलाधिकारी को मामले की जांच कर 6 मई को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है साथ ही अधिशासी अधिकारी प्रमिता सिंह को भी उक्त तिथि पर न्यायालय में उपस्थित रहने का आदेश दिया है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह सम्पादक
डा. सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
राधेश्याम मिश्रा आईएएस (रि)
विवेक वार्ष्णेय आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

आटो में सवारी बैठाने विवाद में तलवार-चाकू चले, आक्रोशित लोगों ने लगाया जाम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

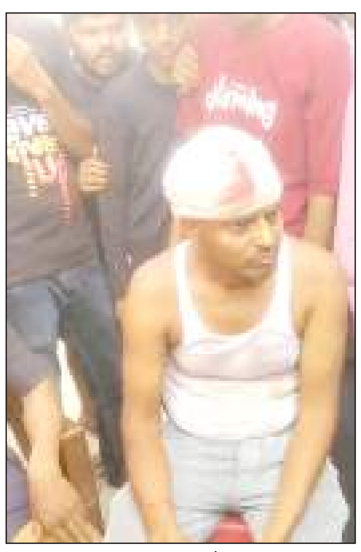

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद गोरखपुर के एम्स थाना क्षेत्र के कुसम्ही बाज़ार स्थित रामजानकी मंदिर के पास शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे दो पक्षों के बीच हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। एक पक्ष ने तलवार, चाकू और रॉड से हमला कर दिया, जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर स्थिति संभाली और तीन आरोपितों को हिरासत में लिया जबकि घायलों को अस्पताल भिजवाया।

घटना के बाद नाराज व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने गोरखपुर-कसया मार्ग पर जाम लगा दिया। सूचना मिलते ही एम्स थाना पुलिस के साथ एसपी सिटी निमिष पाटील, कैंट सीओ और कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों और घायलों के परिजनों ने आरोप लगाया कि हमलावर पक्ष के घर में भारी मात्रा में हथियार रखे गए हैं। उन्होंने पुलिस से तत्काल छापेमारी कर हथियार बरामद करने और आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने घटना के बाद संभावित ठिकानों पर दबिश शुरू कर दी है। तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि सद्दाम और जब्बार सहित अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पीड़ित परिजनों के अनुसार कुस्मही निवासी सद्दाम और कालीचरण दोनों ऑटो चलाते हैं। गुरुवार शाम करीब 3 बजे सवारी बैठाने को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। इसी विवाद को लेकर शुक्रवार सुबह कालीचरण के भाई गोविंद जायसवाल सद्दाम के घर पहुंचे और विवाद का कारण पूछा। आरोप है कि इसी दौरान सद्दाम, जब्बार और अन्य लोगों ने आक्रोशित होकर रॉड, तलवार और चाकू से हमला कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के व्यापारी भी मौके पर जुट गए। इस दौरान तनाव बढ़ा और कुछ लोगों ने एक ऑटो में तोड़फोड़ भी कर दी। पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर हालात को संभाला। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। घटना की सूचना पर चौरीचौरा विधायक सरवन निषाद भी मौके पर पहुंचे और आरोपितों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। एसपी सिटी निमिष पाटील का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

इंजेक्शन लगते ही महिला की मौत, परिजनों का मेडिकल स्टोर पर हंगामा

फर्रुखाबाद। शहर कोतवाली क्षेत्र के बजरिया मोहल्ले में शुक्रवार को एक मेडिकल स्टोर पर इंजेक्शन लगने के बाद महिला की मौत हो गई। आक्रोशित परिजनों ने गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई। अपर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार ने बताया किथाना मऊ दरवाजा क्षेत्र के ग्राम नियामतपुर खेड़ा निवासी गीता (40) खांसी-जुकाम की दवा लेने बजरिया स्थित एक मेडिकल स्टोर पर पहुंची थीं। परिजनों का आरोप है कि वहां मौजूद मेडिकल स्टोर मालिक के भाई, जो खुद को बीएएमएस चिकित्सक बताते हैं, ने डॉक्टर की सलाह का हवाला देकर महिला को इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगते ही कुछ देर बाद गीता की हालत बिगड़ी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर डायल 112, थाना मऊ दरवाजा पुलिस, कोतवाली पुलिस और महिला पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

रसोई गैस की किल्लत पर सपा का प्रदर्शन, फूंका पुतला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बहराइच। उत्तर प्रदेश के जनपद बहराइच में रसोई गैस व पेट्रोल डीजल की बढ़ती किल्लत समेत कई मुद्दों को लेकर शुक्रवार को समाजवादी लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष नन्देश्वर नन्द यादव के नेतृत्व में पुतला दहन कर प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष नन्देश्वर नन्द यादव ने कहा कि डीजल पेट्रोल व रसोई गैस की किल्लत से आम जनमानस परेशान है लेकिन उत्तर प्रदेश के मुखिया को प्रदेश की कोई चिन्ता नहीं है। इस अवसर पर सपा जिला उपाध्यक्ष रामजी यादव, जिलाध्यक्ष छात्रसभा रविन्द्र मौर्या, राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहिनी सुनील यादव, विधानसभा अध्यक्ष डॉ गौरव यादव, लोहिया वाहिनी विधानसभा अध्यक्ष रितेश यादव,जिला उपाध्यक्ष मयंक मिश्रा, आशीष गौरव श्रीवास्तव सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

औरैया में भीषण अग्निकांड: 10 बीघा पराली जलकर राख, किसानों को भारी नुकसान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले की सदर कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे के करीब गांव शहबादिया, ईकोरापुर और रुदौली गांवों में लगभग 10 बीघा क्षेत्र में फैली पराली जलकर राख हो गई, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा।

किसान गेहूं की कटाई के बाद भूसा बनाने के लिए पराली को खेतों में सुरक्षित रखे थे। अज्ञात कारणों से अचानक लगी आग तेज हवा के कारण तेजी से फैल गई और देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्रीराम मिश्रा के खेतों से होते हुए आसपास के कई खेतों तक पहुंच गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सदर कोतवाली पुलिस भी तुरंत सक्रिय हो गई। उपनिरीक्षक जाकिर हुसैन ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थानीय लोगों से जानकारी जुटाई। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रशासन से मामले की जांच की जा रही है। इस घटना से प्रभावित किसान काफी चिंतित हैं और प्रशासन से मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

गाजीपुर घटना को लेकर सपा विश्वकर्मा महासभा का प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम दिया ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। गाजीपुर जनपद के करेंडा थाना क्षेत्र के कटारिया गांव में 14 अप्रैल की रात नाबालिग निशा विश्वकर्मा की कथित दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले को लेकर अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को देकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

महासभा के पदाधिकारियों ने ज्ञापन में मृतका के हत्यारों को फांसी की सजा दिलाने, पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की। साथ ही ग्राम प्रधान के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने तथा मामले में लापरवाही बरतने वाले सीओ सिटी और थाना करेंडा के थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त करने की भी मांग की गई।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस प्रशासन की आरोपियों से मिलीभगत के चलते समय रहते कार्रवाई नहीं की गई। यदि कटारिया गांव के प्रधान की दी गई कथित धमकी को गंभीरता से लिया गया होता, तो 22 अप्रैल को सपा प्रतिनिधिमंडल पर हुआ हमला रोका जा सकता था।

बताया गया कि घटना की जानकारी लेने जा रहे सपा के प्रतिनिधिमंडल पर स्थानीय लोगों द्वारा किए गए हमले में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा सहित कई लोग घायल हो गए। ज्ञापन सौंपने वालों में महासभा के जिलाध्यक्ष राम निरंजन विश्वकर्मा, महानगर अध्यक्ष रमाकांत विश्वकर्मा, सपा जिलाध्यक्ष अनिल यादव, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, प्रवक्ता दान बहादुर मधुर, महासचिव रविंद्र यादव एडवोकेट, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।